पेज : 2

पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शुक्रवार, 9 मई 2025, वर्ष : 9, अंक : 43 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

पाकिस्तान की नापाक हरकत, शहरी क्षेत्रों को बना रहा निशाना, भारत में हमले को किया नाकाम एफ16 को भी मार गिराया

नई दिल्ली । पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान में भारत के कई शहरों में अटैक करने की कोशिश की है। पाकिस्तान की ओर से शहरी क्षेत्रों को निशाना बनाया जा रहा है। इसमें पठानकोट उधमपुर जम्मू अखनूर जैसलमेर जैसे शहर शामिल है। पाकिस्तान की ओर से जम्मू और पठानकोट एयर बेस को निशाना बनाया गया। लेकिन भारत ने पाकिस्तान के तमाम ड्रोन को मार गिराया है इतना ही नहीं खबर यह भी है कि पाकिस्तान के एफ16 जेट विमान को भी भारत ने नष्ट कर दिया है।

हालांकि पाकिस्तान की हरकतों को देखते हुए इन शहरों में पहले से ही ब्लैकआउट कर दिया गया था। आपको बता दे कि आज भारत में कार्यवाही करते हुए पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था। बावजूद इसके पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है फोन मिला पाकिस्तान राजस्थान के शहर जैसलमेर को भी निशाना बनाने की कोशिश की है। लेकिन सभी जगह पर पाकिस्तानी ड्रोनेस को मार गिराया जा रहा है ।

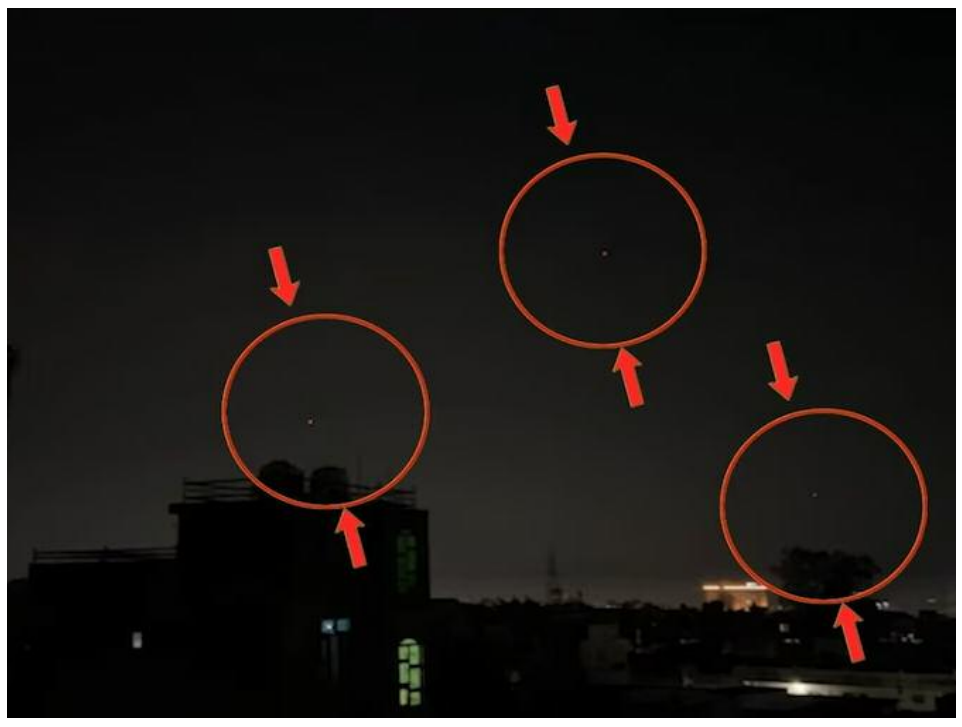

हर तरफ ब्लैकआउट, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के शहरों में जोरदार धमाके, पाक की गोलाबारी

नई दिल्ली । जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में भारतीय वायु रक्षा प्रणाली द्वारा पाकिस्तान के ड्रोन हमले को विफल किया गया है। पंजाब के कई इलाकों में विस्फोट हुआ है, जिसकी आवाज लोगों को भी सुनाई दी है। इस्लामाबाद में आतंकवादी ढांचे को नेस्तिनाबुत करने के बाद पाकिस्तान की ओर से ये कदम उठाया गया है। भारत सरकार ने पहलगाम का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। वहीं जम्मू एयरपोर्ट के पास भी विस्फोट किया गया है हालांकि इसकी पुष्टि नहीं करता है। जम्मू के अलावा पंजाब के कई हिस्सों में भी विस्फोट हुआ है। पंजाब के पठानकोट व जम्मू कश्मीर के सांबा व अन्य सेक्टर पर पाकिस्तान ने गोलीबारी की है। खबर लिखे जाने तक संदिग्ध ड्रोन से हमले किए गए है। हमले होने के साथ ही सायरन बजाए गए है। जम्मू और पंजाब के कई हिस्सों में पूरी तरह से ब्लैकआउट किया गया है जो सुरक्षा के लिहाज से हुआ है। रॉयटर्स और अन्य विश्वसनीय स्रोतों की मानें तो जम्मू और पंजाब के कई शहरों में भी शाम को ड्रोन से विस्फोट किए गए थे। बता दें कि पंजाब के भी कई हिस्सों में ब्लैकआउट किया गया है। होशियारपुर प्रशासन ने गुरुवार शाम को धमाके की आवाजें आने के बाद तत्काल ब्लैकआउट घोषित कर दिया, जिसके बाद । अमृतसर में भी ऐसा ही हुआ। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने कहा कि एयर फोर्स अधिकारियों से मिले निर्देशों के बाद ब्लैकआउट किया गया है। डीसी जैन ने मीडिया को बताया कि ब्लैकआउट का आदेश अगले निर्देश तक रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय लाइट आईसी-814 अपहरण की साजिश रचने मेंवाला रऊफ भी हुआ हमले में ढेर

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मसूद का भाई अदुल रऊफ अजहर मारा गया है। बता दें कि मसूद ने बीते दिनों खुद जानकारी दी थी कि हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और अन्य 4 लोग मारे गए थे। जैश-ए-मोहमद और हरकत-उल-मुजाहिद्दीन आतंकी संगठनों की स्थापना करने वाला मसूद अजहर ऑपरेशन सिंदूर से पूरी तरह हिल चुका है। इस एयरस्ट्राइक के बाद मसूद अजहर ने बताया कि उसके परिवार के 10 और अन्य चार करीबी मारे गए हैं। उसने ये भी कहा था कि इस खुशहाल कारवां में उसे भी शामिल होना चाहिए था। अब खबर सामने आ रही है कि उसका भाई अदूल रऊफ अजहर भी मारा गया है। अधिकारियों की मानें, तो भारतीय लाइट आईसी-814 अपहरण की साजिश रचने में रऊफ की भूमिका ने अलकायदा के एक प्रमुख गुर्गे उमर सईद शेख की रिहाई को सीधे तौर पर सुविधाजनक बनाया था। शेख ने बाद में वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक अमेरिकी-यहूदी पत्र-कार डेनियल पर्ल का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी। 2002 में पर्ल की नृशंस हत्या ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। इस 814 मामले में रऊफ मु य आरोपी माना गया था। साल 1999 में 24 दिसंबर को इंडियन एयरलाइंस की लाइट ढ्ष्ट 814 को हाईजैक करके आतंकवादी अफगानिस्तान के कंधार ले गए थे। वहां यात्रियों को बंधक बनाकर रखा गया था। इस मामले में 36 आतंकवादियों को रिहा करने और 860 करोड़ रुपये देने की मांग रखी गई थी। इस पूरे हाईजैक के मामले में मसूद अजहर का भाई अदुल रऊफ अजहर मास्टमाइंड माना जा रहा था।

सिर्फ 15 मिनट मुसलमानों को सौंप दो साा, पाकिस्तान का मिटा देंगे नामोनिशान-एआईएमआईएम नेता ने कहा- अब पाकिस्तान पूछे मसूद अजहर के रिश्तेदारों का धर्म

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी। पहलगाम में पर्यटकों की हत्या कराना पाकिस्तान और उसके पाले गए आतंकवादियों को अब भारी पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक कर नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल से हमला कर तबाह कर दिया है। इस बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता ने कहा है कि किस्तान को सबक सिखाने की बात कही है। एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने पाकिस्तान पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि भारत के मुसलमानों को सिर्फ 15 मिनट के लिए साा सौंप दी जाए। हम बता देंगे कि पाकिस्तान को कैसे नेस्तनाबूद कर उसका नामोनिशान मिटा देंगे। भारत के मुसलमानों ने इस टू नेशन थ्योरी को रिजे ट कर दिया और इस-के बाद देश को बनाने में इसकी तरक्की में जो किरदार निभाया है वह अविस्मरणीय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोएब जमई ने कहा कि मंगलवार रात भारत की कार्रवाई जो इतिहास में दर्ज हो गई। बहुत बड़ा मील का पत्थर है। बहुत दिनों से पाकिस्तान में जो आतंकवादी ढांचा है, कैंप है, उसका नेस्तानाबूद होना जरूरी था। जो भी आंखें, जो भी ताकत हमारी सीमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी उन ताकतों को नेस्तानाबूद करना, उन आंखों को नोचना जरूरी है। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी का जिक्र करते हुए कहा कि जब बात भारत के आन-बान शान पर आती है तो भारत का हर मुसलमान अपना बलिदान देकर सीमा की हिफाजत करने के लिए तैयार है। जमई ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने भारत के पीएम को ही नहीं, यहां के सभी लोगों को चैलेंज किया था। अब पाकिस्तान पूछे मसूद अजहर के रिश्तेदारों का धर्म। धर्म पूछकर पहलगाम में लोगों को मारा, योंकि उनकी साजिश थी कि देश में हिंदू-मुस्लिम में नफरत पैदा की जाए लेकिन यहां के लोग इस साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे।

राष्ट्रपति ने नौकरी के लिए जमीन 'घोटाले में लालू प्रसाद के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे कथित भूमि के बदले नौकरी घोटाले में राजद प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मुर्मू ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 197(1) और बीएनएसएस, 2023 की धारा 218 के तहत अनिवार्य अनुमति प्रदान की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल अगस्त में बिहार के पूर्व मु यमंत्री, उनके बेटे और राज्य के पूर्व उपमु यमंत्री तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धन शोधन मामले में आरोप पत्र दायर किया था। यह मामला सीबीआई की प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 2004-2009 के दौरान भारतीय रेलवे में ग्रुप डी के कर्मचारियों की नियुक्ति में तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद (76) भ्रष्टाचार में लिप्त थे। केंद्रीय अन्वेषण यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के अनुसार, उमीदवारों या उनके परिवार के सदस्यों को रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले में कथित तौर पर रिश्वत के तौर पर जमीन हस्तांतरित करने के लिए कहा गया था। ये जमीनें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों के नाम पर पंजीकृत थी। सीबीआई ने इस मामले में तीन आरोपपत्र भी दाखिल किए हैं।

सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री का ऐलान... ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी

-जब तक खतरा समाप्त नहीं होता, कार्रवाई जारी रहेगी

-विपक्ष ने कहा, करो सफाया आंतकियों का

नई दिल्ली । नई दिल्ली, (ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कुछ ऐसा कह दिया कि पाकिस्तान की सांसें रुक गईं। दरअसल केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं होता, कार्रवाई जारी रहेगी। इसका सीधा मतलब ये हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। उन्होंने कहा कि इस एयरस्ट्राइक में करीब 100 आतंकी मारे गए हैं। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इसकी की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि आतंकियों के करीब 12 इसतरह के ठिकाने अभी बचे हुए हैं। सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, संकट के समय में हम केंद्र सरकार के साथ हैं। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान हमला करेगा, तब भारत 10 गुना ज्यादा ताकत से जवाबी हमला करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन की ज्यादा तकनीकी जानकारी नहीं दी जा सकती है।

खरगे ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर कहा है कि वह कुछ गोपनीय जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं कर सकती। श्री खरगे ने कहा कि इस संकट की घड़ी में हम सरकार पर इसके लिए दबाव नहीं डाल रहे हैं और राष्ट्र हित में सरकार के साथ खड़े हैं। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हम सभी ने मोदी सरकार को पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी ने कहा है, मोदी सरकार ने कहा है कि वह कुछ बातों पर चर्चा नहीं करना चाहती। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजु ने कहा कि राजनीतिक दल जनता की आवाज होते हैं और सभी नेता एक स्वर में कह रहे हैं कि मोदी सरकार की सफलता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगातार घटनाक्रम हो रहा है इसकारण अधिकारियों को बैठक में नहीं बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के साथ आगे की कार्रवाई पर भी चर्चा की गई। वहीं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सेना के शौर्य की सराहना कर कहा कि विपक्ष ने न केवल समर्थन दिया, बल्कि कुछ रचनात्मक सुझाव भी मोदी सरकार के सामने रखे। उन्होंने आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाने की मांग की। ओवैसी ने कहा कि फरवरी 2025 में हाफिज सईद के बेटे ने जिहाद की धमकी दी थी और अब इस तरह की कार्रवाई उसी योजना का हिस्सा है।

ओवैसी ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अमेरिका, ब्रिटेन और एफएटीएफ के माध्यम से पाकिस्तान पर दबाव बनाना चाहिए ताकि टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया जाए और पाकिस्तान को फिर से ग्रे लिस्ट में डाला जाए। उन्होंने कहा कि जब भारत इन देशों के साथ व्यापार समझौते कर रहा है, तब यह एक रणनीतिक मौका है दबाव बढ़ाने का।

बैठक में विपक्ष ने सरकार को पूरी तरह सहयोग देने का भरोसा दिलाया है। फिलहाल सरकार और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में विपक्ष ने सरकार का साथ देते हुए कहा कि जो काम कर रहे हैं, करते रहिए। इसके अलावा इसमें सरकार की ओर से गृह मंत्री अमित शाह, जगत प्रकाश नड्डा, विदेश मंत्री एस जयशंकर , वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव , द्रमुक के टी आर बालू , एआईएमआईएम के असद्दुदीन ओवैसी , तृणमुल कांग्रेस के सुदीप्त बंदोपाध्याय , शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह , मार्क्सवादी पार्टी के जॉन ब्रिटास, लोकजन शक्ति पार्टी के चिराग पासवान, बीजू जनता दल के सस्मित पात्रा और द्रमुक के तिरूचि शिवा ने बैठक में हिस्सा लिया।

लाहौर, करांची से सियालकोट तक पहुंचे भारतीय ड्रोन... तबाही मचा वापस लौटे

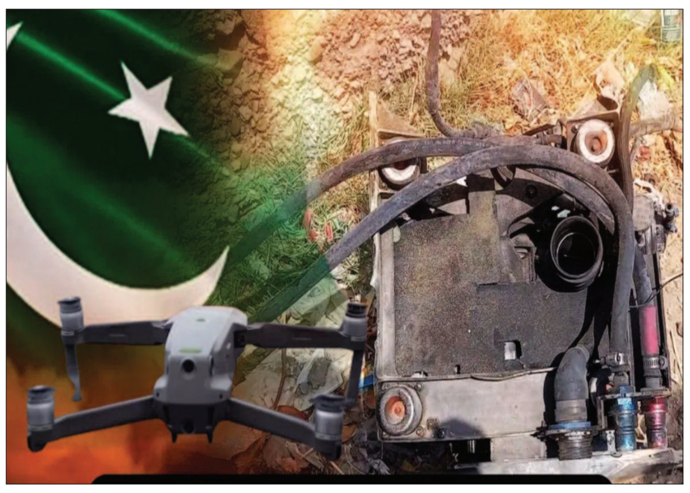

-भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर पाक हमले की कोशिश नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने बीती रात भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की, वहीं भारत ने लगातार दो दिनों तक पाकिस्तान के अंदर घुसकर उसकी वायु रक्षा तंत्र की नाकामियों की कलाई खोल दी। बीती रात पाक एयर डिफेंस सिस्टम को धता बताकर भारतीय ड्रोन लाहौर, कराची और सियालकोट सहित पाकिस्तान के नौ शहरों में घुसे और वहां तबाही मचा दी। सैन्य सूत्रों के मुताबिक भारत ने इजरायली ड्रोन हैरप की मदद से ये कारनामा किया है।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने लाहौर और रावलपिंडी सहित पाकिस्तान के दूसरे बड़े शहरों में भी ड्रोन अटैक किए। भारतीय सेना ने ये हमले तब किए, जब इस्लामाबाद ने भारतीय रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश की। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के एचक्यू-9 मिसाइल डिफेंस सिस्टम यूनिट्स को तबाह किया है।

भारत ने पाकिस्तान की रक्षा इकाई पर ये हमले तब किए जब इस्लामाबाद ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग कर अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। तभी भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की मदद से पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों का मलबा अब कई स्थानों से बरामद किया जा रहा है जो पाकिस्तानी हमलों को साबित करते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान ने भी स्वीकार किया है कि बुधवार को भारत ने उसके देश के अंदर कई ठिकानों पर निशाना साधा है। इसमें लाहौर के अलावा गुजरांवाला, रावलपिंडी, चकवाल, बहावलपुर, मियांवाली, कराची, चोर, मियानो और अटक में भी ड्रोन हमले किए हैं।

वहीं रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पार से कुपवाड़ा, बारामुला, उरी, पुंछ, मेंधर और राजौरी सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के फायरिंग तेज कर दी है जिसमें मोर्टारों और भारी तोपखाने का भी इस्तेमाल हो रहा है। इस फायरिंग में 16 निर्दोष लोगों की जानें गई हैं, जिसमें तीन महिला और पांच बच्चे शामिल हैं।

चारधाम यात्रा पर निकला हेलीकॉप्टर हुआ हादसे का शिकार, 6 यात्रियों की मौत

उत्तरकाशी । चारधाम यात्रा पर निकला एक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया । इसमें कुल सात लोग सवार थे जिसमें से 6 लोगों की मौत हो गई । राहत एवं बचाव दल अपना काम कर रहा है । वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है । एयरोट्रांस सर्विसेस प्रा.लि.के इस हेलीकॉप्टर यात्रियों को लेकर गंगोत्री धाम की यात्रा पर जा रहा था तभी गंगोत्री हाइवे पर गंगनानी के पास जंगलों में जा गिरा । इस हेलीकॉप्टर में 7 लोग सवार थे । रेस्क्यू टीम मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है । एसडीआरएफ टीम भटवाड़ी द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर देखा गया तो पाया कि कि हेलीकॉप्टर लगभग 200 से 250 मीटर गहरी खाई में गिरा हुआ था । टीम द्वारा घटनास्थल पर बेस बनाकर खाई में उतरकर रेस्क्यू को शुरू किया किया गया । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि उत्तरकाशी के गंगनानी के समीप हेलीकॉप्टर क्रैश में कुछ लोगों के हताहत होने का अत्यंत दु :खद समाचार प्राप्त हुआ है । राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई हैं । ईश्वर हादसे में दिवंगत हुए लोगों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दु :ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

गलत, फर्जी सूचनाओं के प्रवाह को रोकने के लिए मोदी ने बुलाई सचिवों की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री ने आज राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर राष्ट्रीय तैयारियों और अंतर-मंत्रालयी समन्वय मजबूत करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की जिसमें देश में गलत एवं फर्जी सूचनाओं के प्रवाह पर रोक लगाने को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री मोदी ने परिचालन निरंतरता और संस्थागत लचीलेपन को बनाए रखने के लिए मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने मौजूदा स्थिति में किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए मंत्रालयों द्वारा की गई योजना और तैयारी की समीक्षा की।

बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इनमें नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना, गलत सूचना और फर्जी खबरों का मुकाबला करने के प्रयास और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। मंत्रालयों को राज्य के अधिकारियों और जमीनी स्तर के संस्थानों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने की भी सलाह दी गई। प्रधानमंत्री ने देश के संवेदनशील दौर से निपटने के लिए निरंतर सतर्कता, संस्थागत तालमेल और स्पष्ट संचार का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और नागरिक सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

सचिवों को अपने-अपने मंत्रालय के संचालन की व्यापक समीक्षा करने और आवश्यक प्रणालियों के पूर्ण-सुरक्षित कामकाज को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है जिसमें तत्परता, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आंतरिक संचार प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बैठक में सचिवों ने मौजूदा स्थिति में समग्र सरकारी दृष्टिकोण के साथ अपनी योजना का विवरण दिया। सभी मंत्रालयों ने संघर्ष के संबंध में अपनी कार्रवाई की पहचान की है और प्रक्रियाओं को मजबूत कर रहे हैं। मंत्रालय सभी प्रकार की उभरती स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं।

बैठक में कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सूचना और प्रसारण, बिजली, स्वास्थ्य और दूरसंचार सहित प्रमुख मंत्रालयों के सचिव शामिल हुए।

भारत के प्रहारों से दहल उठा पाकिस्तान

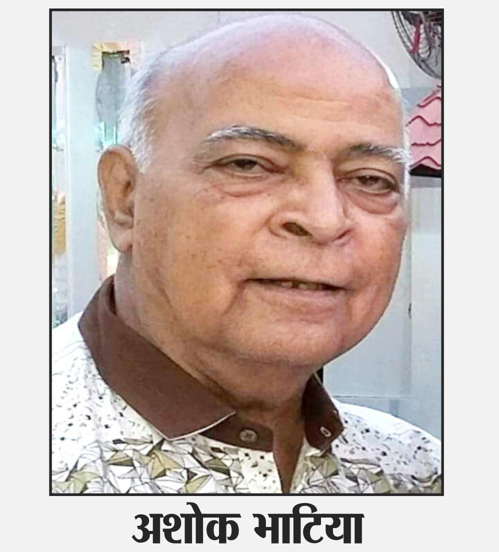

अशोक भाटिया

पहलगाम अटैक के 15 दिन बाद भारत ने 6 मई की रात 1।44 बजे पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की। इसे नाम दिया गया ऑपरेशन सिंदूर। भारतीय सेनाओं ने इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान में चार और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के पांच ठिकानों पर रॉकेट बरसाए।

पाकिस्तान को लगा भारत बुधवार को सिविल डिफेंस की मॉक ड्रिल करेगा। पाकिस्तानी हुकूमत और फौज, दोनों निश्चिंत होकर सोये रहे। लेकिन भारत की सेना ने आधी रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर उसके सबसे डरावने सपने को हकीकत बना दिया। भारत का यह ऑपरेशन रणनीतिक चतुरता की मिसाल है। भारत ने बुधवार को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल की योजना बनाई थी। खबर ने पाकिस्तान को यह यकीन दिला दिया कि भारत कोई बड़ा सैन्य ऑपरेशन नहीं करेगा। इसी भ्रम का फायदा उठाते हुए भारत ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्य को अंजाम दिया। पहलगाम अटैक के 15 दिन बाद भारत ने 6 मई की रात 1।44 बजे पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की। इसे नाम दिया गया ह्यऑपरेशन सिंदूर। भारतीय सेनाओं ने इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान में चार और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के पांच ठिकानों पर रॉकेट बरसाए। इन टारगेट में बहावलपुर, मुरिदके, बरनाला, तेहराकलां, मुजफ्फराबाद, कोटली और सियालकोट शामिल थे। इन जगहों पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों अड्डे संचालित थे। इसके अलावा आतंकी मौलाना मसूद अजहर का मदरसे को भी इस हमले में नेस्तनाबूद किया गया है।गौरतलब है कि पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में 27 लोगों की हत्याकर दी थी। इसमें 26 भारतीय व एक नेपाली नागरिक था। आतंकियों के इस कायराना हमले का करारा जवाब देने के लिए भारत ने सैन्य कार्रवाई से पहले कूटनीतिक हमले किए। हमले के 15 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अपनी सैन्य ताकत दिखा दी। ऑपरेशन सिंदूर पहलागाम हमले में मारी गई उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पति की हत्या उनकी आंखों के सामने ही आतंकवादियों ने की थी। इस स्ट्राइक में भारतीय सेना ने 24 मिसाइलों से आतंकी अड्डों पर हमला किया। जिसकी पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल लगातार मॉनीटरिंग कर रहे थे।भारत के एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान से जो वीडियो आ रहे हैं, उसमें खुद पाकिस्तान के लोग चीख-चीख बता रहे हैं कि आतंकी अजहर मसूद के ठिकाने पर मिसाइल से हमले किए गए हैं। इसमें पाकिस्तान की आवाम खुद बता रही है कि भारतीय सेना ने कैसे हमला किया है। इसके अलावा वीडियों में देख सकते हैं कि आतंकी ठिकाने से आग की लौ भी उठती दिख रही है। ये आतंकियों के ठिकाने को मिट्टी में मिलाने का सबसे बड़ा सबूत है। अहमद शरीफ चौधरी ने रात ही कहा कि भारत के हवाई हमलों में अब तक 8 नागरिक मारे गए हैं जबकि 35 घायल हुए हैं।जैसा कि बताया जा रहा है भारत सेना के एयर स्ट्राइक में करीब 100 आतंकी मारे गए हैं। अस्पतालों में घायल आतंकवादियों की लाइन लगी है। हर तरफ एंबुलेंस दौर रहे हैं। ये भारत नहीं बल्कि तमाम इंटरनेशनल मीडिया संस्थान कह रहे हैं। ये संस्थाएं पाकिस्तान के हालात की तस्वीरें ला रही हैं। इससे पता चलता है कि भारत ने पहलगाम का बदला कैसा लिया। इन हमलों को राफेल, सुखोई जैसे फाइटर जेट्स या फिर बेहद आधुनिक ड्रोन से अंजाम दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत पर भारत ने दुनिया को जवाब दे दिया। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में आतंकियों पर एक्शन के लिए कोई कदम नहीं उठाता। खुफिया जानकारी के मुताबिक, भारत के खिलाफ आगे भी हमले हो सकते हैं। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के इंफ्रास्ट्रक्चर को समाप्त करने और भारत में भेजे जाने वाले आतंकियों को अक्षम बनाने के लिए है। उन्होंने यह भी कहा कि 25 अप्रैल को टीआरएफ के संदर्भ को हटाने के लिए पाकिस्तान के दबाव को भी ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान दुनिया भर में आतंकवादियों के शरणस्थल के रूप में पहचान बना चूका हैङ्गसाजिद मीर का मामला अंतराष्ट्रीय प्रेशर बनाने के बाद वो जीवित पाया गया, इसका सबूत है।भारत ने इसी तरह का हमला फरवरी 2019 में उस समय किया था, जब जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के एक काफिले को निशाना बनाया गया था। इस हमले का बदला लेने के लिए भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के बालाकोट में हमला कर आतंक के ठिकानों को तबाह कर दिया था। इस ऑपरेशन को नाम दिया गया था, 'ऑपरेशन बंदर'। बुधवार तड़के हुई कार्रवाई को पाकिस्तान ने युद्ध की कार्रवाई बताया है। उसका कहना है कि उसके पास जवाबी कार्रवाई का हक है। आइए देखते हैं कि 'ऑपरेशन बंदर'और 'ऑपरेशन सिंदूर'में क्या अंतर है।साल 1971 के युद्ध के बाद पहली बार है कि भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में घुसकर कार्रवाई को अंजाम दिया था। इससे पहले 2016 में हुए उड़ी हमला और 2019 के पुलवामा हमले के बाद भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर कार्रवाई की थी। इन हमलों को सर्जिकल स्ट्राइक बताया था। भारत ने इस आत्मरक्षा के अधिकार के तहत की गई कार्रवाई बताया था। इसमें भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान में कोई निशाना नहीं बनाया था।भारतीय सेनाओं ने पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हमला किया। इससे पहले सेनाओं ने पंजाब में किसी ठिकानों को निशाना नहीं बनाया था। यह भारत की तीनों सेनाओं का एक संगठित प्रयास था। बालाकोट कैंप का चुनाव इसलिए किया गया था कि वह एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित था। उसके आसपास कोई नागरिक नहीं था। यानी हमले से नागरिकों को कोई नुकसान नहीं होगा और वह कोई मदरसा नहीं था, इसलिए वहां कोई बच्चा नहीं होगा। वहां केवल आतंकवादी और उनके आका होंगे। इसलिए ही बालाकोट का चुनाव किया गया था। भारत ने 25-26 फरवरी की रात हवाई हमला करना चुना था। इसके लिए मध्य प्रदेश के ग्वालियर एयरबेस से 20 मिराज-2000 विमानों ने उड़ान भरी थी। इन विमानों पर इजराइली लेजर गाइडेड बम लगे हुए थे। इनमें से 12 विमानों ने सुबह करीब पौन चार बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान में प्रवेश किया। और अपने निशानों पर बम बरसाए। भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन को केवल 21 मिनट में अंजाम दे दिया था। इस ऑपरेशन को अंजाम दिया था एयर मार्शल हरि कुमार ने। वह पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ थे। खास बात यह थी कि वह फरवरी में ही रिटायर होने वाले थे। हमले से पहले उन्हें फेयरवेल पार्टी भी दी गई थी। इन हमलों में 250 से अधिक आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान आतंकी कैंपों की मौजूदगी को स्वीकार नहीं कर रहा था। भारत ने कड़ा रुख अपनाते हुए ऐसा कदम उठाया कि न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया को दिखा दिया कि भारत आतंकी कैंपों का खात्मा कर सकता है। 28-29 सितंबर की दरम्यानी रात को भारतीय सेना के विशेष बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी लॉन्च पैड्स पर सर्जिकल स्ट्राइक की और उन्हें तबाह कर दिया। इस हमले में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी आतंकवादियों के छह लॉन्चपैड को तबाह कर दिया था और करीब 45 आतंकी इस कार्रवाई में मारे गए थे।अब ऑपरेशन सिंदूरह्यके बाद विरोधी दल के पास विरोध करने का कुछ बचा ही नहीं है और न ही सबूत मांगने का कारण क्योकि जो भी पाकिस्तानी विडियो आ रहे है वो खुद ही सबूत बन रहे है । सभी सैन्य कार्रवाई का तारीफ के पूल बांध रहे है । कांग्रेस ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद बुधवार को विपक्ष ने कहा कि उसे भारत के सशस्त्र बलों पर गर्व है और उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश- ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले सभी प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक अडिग राष्ट्रीय नीति है।" उन्होंने कहा, "हमें अपने भारतीय सशस्त्र बलों पर बेहद गर्व है जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया है। हम उनके दृढ़ संकल्प और साहस की सराहना करते हैं। " खड़गे के अनुसार, पहलगाम आतंकवादी हमले के दिन से, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस स्पष्ट रूप से सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कोई भी निर्णायक कार्रवाई करने के लिए सशस्त्र बलों और सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय एकता और एकजुटता समय की मांग है और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों के साथ खड़ी है। हमारे नेताओं ने अतीत में रास्ता दिखाया है और राष्ट्रीय हित हमारे लिए सर्वोच्च है। "कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमें अपने सुरक्षाबलों पर गर्व है पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सशस्त्र बलों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, "भारत की यह अडिग नीति होनी चाहिए कि पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवाद के सभी स्रोतों का पूरी तरह से सफाया किया जाए, और यह नीति हमेशा सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से प्रेरित होनी चाहिए।" उन्होंने कहा, "यह समय एकता और एकजुटता का है। 22 अप्रैल की रात से ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस यह स्पष्ट रूप से कह रही है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में राष्ट्र की कार्रवाई को लेकर सरकार को हमारा पूर्ण समर्थन रहेगा। कांग्रेस पार्टी हमारे सशस्त्र बलों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।उधर, ओवैसी ने उर्दू में ट्वीट कर पाकिस्तान पर हवाई हमले का स्वागत किया, सेना की तारीफ की, उन्होंने ह्यह्न पर कहा, ह्नमैं पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर हमारे रक्षा बलों द्वारा किए गए सर्जिकल स्ट्राइक का स्वागत करता हूं। पाकिस्तानी डीप स्टेट को कड़ा सबक सिखाया जाना चाहिए ताकि फिर कभी पहलगाम जैसी घटना न हो, पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट किया जाना चाहिए। जय हिंद!ह्नतेजस्वी यादव ने कहा जय हिंद! जय भारत! न आतंक रहे, न अलगाववाद रहे! हमें अपने वीर जवानों और भारतीय सेना पर गर्व है। बसपा प्रमुख मायावती ने भी ह्यएक्स' पर पोस्ट कर कहा, ह्यह्यपाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की भारतीय सेना की ह्यआपरेशन सिंदूर' कार्रवाई गौरवमय व सराहनीय।" इसके साथ ही विपक्ष के कई नेताओं ने भारतीय सेना के इस ताबड़तोड़ एक्शन पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

संपादकीय

पटाखों के खिलाफ मुस्तैदी

अमृता आर. पंडित

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को कहा है वरना अवमानना की कार्रवाई होगी। अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निदेशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है। वायु, जल, कचरा, उद्योग से पहले ही प्रदूषण बहुत है, जिसमें मिल कर पटाखा प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ाने वाला साबित होता है। पटाखा उत्पादन में भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा पटाखे (तकरीबन 85%) तमिलनाडु के शि-वकाशी में बनते हैं। वहां पांच सौ से अधिक इकाइयों में छोटे-बड़े पटाखों का निर्माण होता है। शीर्ष अदालत पहले भी दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगाने की बात कह चुकी है। बावजूद पटाखों की बिक्री साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अंदाजे के अनुसार, गये साल पटाखों की खुदरा बिक्री छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। उप्र, बिहार और गुजरात में इनकी जबरदस्त मांग है। पटाखे जलाने और इनसे पर्यावरण को नुकसान को लेकर जनजागरूकता जरूरी है। हालांकि इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों समेत राजनीतिक हस्तियों और बड़े दलों को आगे आना होगा और उनके यहां होने वाले उत्सवों/हर्षोन्माद के दौरान पटाखों को सख्ती से प्रतिबंधित करना होगा। पटाखा उद्योग ने बेशक, लाखों लोगों को रोजगार दिया है, मगर उसे सीमित किए बगैर आतिशबाजी की बिक्री थामना दुष्कर होगा। प्रदूषण के चलते होने वाले घातक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि कुछ कड़े कदम फौरन उठाए जाएं। अदालत की बार-बार घुड़की के बावजूद सरकारों और प्रशासन के कानों में जूं रेंगती नहीं नजर आ रही, बल्कि जब भी पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, या कोई शख्सियत आवाज उठाती है, तो जनता उल्टा उस पर कटाक्ष करने और ट्रोलिंग करने पर उतारू हो जाती है। युवाओं और किशोरों के बीच पटाखों के दुष्परिणामों पर खुल कर चर्चा हो और राज्य सरकारों पर पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो।

चिंतन-मनन

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे। उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी। जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिस-के पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे.

आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दशार्ता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं। भारतीय वायुसेना ने इस

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दशार्ता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं। भारतीय वायुसेना ने इस
ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों क भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रस्तुत करेगा। अमेरिका, फ्रांस, रूस और इजरायल जैसे देश पहले ही भारत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र और इस्लामी देशों के संगठन (आईओसी) में पाकिस्तान अपने झूठे प्रचार को हवा देने की कोशिश अवश्य करेगा, इसलिए भारत को अब इस कूटनीतिक लड़ाई में भी स्पष्टता और तथ्यों के साथ आगे बढ़ना होगा। बहरहाल, ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रतीक है। इसने साबित कर दिखाया है कि भारत अब संयम और जवाबदेही के साथ अपनी रक्षा नीति पर अमल कर रहा है। 'सिंदूर' का रंग भले ही स-ंस्कृतिक दृष्टि से सौभाग्य और शक्ति का प्रतीक हो परंतु इस सैन्य कार्रवाई में यह रंग आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बन गया है। भारत ने दुनिया को यह बता दिया है कि वह न तो युद्ध चाहता है, न टकराव लेकिन यदि उसकी सीमाओं, नागरिकों और संप्रभुता को कोई चुनौती देगा तो उसका जवाब भी उतना ही सटीक, तीव्र और निर्णायक होगा।

योगेश कुमार गोयल

"पुंछ जल रहा है: शांति की धरती पर बारूद की बारिश"

राजेश श्रीवास्तव

पुंछ की धरती, जो कभी शांति और भाईचारे की मिसाल थी, आज गोलाबारी की आग में झुलस रही है। 6-7 मई 2025 की रात, जब पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर भारी गोले बरसाए, इस सीमावर्ती जिले के लोग दहशत में डूब गए। इस हमले में 6 से 15 मासूम नागरिकों ने अपनी जान गंवाई, जिनमें मासूम बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। 20 से 50 लोग घायल हुए, कई की हालत गंभीर बनी हुई है। हर आंसू, हर चीख इस बात की गवाही दे रही है कि युद्ध की आग में सबसे ज्यादा जलता है आम इंसान का आशियाना।मेंढर और बालाकोट के रिहायशी इलाकों में घर तबाह हुए, संपत्तियां राख में बदलीं। एक पवित्र गुरुद्वारा, श्री गुरु सिंह सभा, भी इस आग से नहीं बच सका—उसका दरवाजा क्षतिग्रस्त हुआ, शीशे चूर-चूर हो गए। ये सिर्फ इमारतों का नुकसान नहीं, बल्कि लोगों के विश्वास और उम्मीदों पर चोट है। स्थानीय लोग सु-रक्षित ठिकानों की तलाश में भागे, मगर डर और अनिश्चितता उनके पीछे-पीछे दौड़ रही थी।भारतीय सेना ने इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। हमारे जवान, जो सीमा पर हर सांस देश के लिए लेते हैं, ने न सिर्फ अपनी ताकत दिखाई, बल्कि दुश्मन को भी भारी नुकसान पहुंचाया। आधिकारिक तौर पर सेना को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, मगर सीमा पार से आने वाली हर गोली हमारे दिलों को छलनी कर रही है। कुछ अनौपचारिक स्रोत बताते हैं कि पाकिस्तानी सेना को भी इस जवाबी कार्रवाई में नुकसान उठाना पड़ा, पर सटीक जानकारी का अभाव है।

यह गोलाबारी भारत के ऑपरेशन सिंदूर का जवाब थी, जिसमें 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया। मगर इस सैन्य कार्रवाई की कीमत पुंछ के लोगों को अपनी जान और आशियानों से चुकानी पड़ी। क्या यही है जंग का जवाब—मासूमों का खून और बेगुनाहों की चीखें? पुंछ, राजौरी और आसपास के इलाकों में हाई अलर्ट है, लोग डर के साये में जी रहे हैं। सोशल मीडिया पर भ्रामक दावे इस दर्द को और बढ़ा रहे हैं, इसलिए सिर्फ सत्य पर भरोसा करें।आज जरूरत है एकजुट होने की, शांति की पुकार को बुलंद करने की। पुंछ के हर उस दिल तक हमारी आवाज पहुंचनी चाहिए, जो इस आग में जल रहा है। हमारी सेना सीमा पर डटी है, मगर हमें अपने स्तर पर भी मानवता और भाईचारे का कवच पहनना होगा।

आइए, इस दुख की घड़ी में पुंछ के लोगों के साथ खड़े हों, उनके जख्मों पर मरहम लगाएं और एक ऐसी सुबह की कामना करें, जहां गोलियों की गूंज नहीं, बल्कि शांति की सदा गूंजे।

संक्षिप्त डायरी

देरी से चल रही ये प्रमुख ट्रेनें, यात्रियों को झेलनी पड़ रही परेशानी; देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी । पूर्व दिशा के यात्रियों की परेशानी दूर नहीं हो रही है। बिहार से आने वाली अधिकांश ट्रेनें घंटों देरी से दिल्ली पहुंच रही हैं। इस कारण कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ रहा है। सबसे अधिक देर से विशेष ट्रेनें चल रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि कई रेलखंड पर संरक्षा कार्य चलने से ट्रेनों की आवाजाही बाधित हुई है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण इनके प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ रहा है। सात घंटे की देरी से पहुंची ये ट्रेन सहरसा-नई दिल्ली विशेष 15.30 घंटे, पटनानई दिल्ली विशेष 13 घंटे, मुजफ्फरपुर- आनंद विहार टर्मिनल विशेष 14 घंटे, सीतामढ़ी-आनंद विहार टर्मिनल 10 घंटे, अरुणाचल एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे की देरी से अपने गंतव्य पर पहुंची। कई अन्य ट्रेनें भी दो से लेकर सात घंटे के विलंब से दिल्ली पहुंची। इस कारण दिल्ली से उनके प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ रहा है। यात्रियों को हो रही परेशानी आनंद विहार टर्मिनल-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से लगभग 12 घंटे, नई दिल्ली-पटना विशेष साढ़े आठ घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पांच घंटे की देरी से रवाना हुई। कई अन्य ट्रेनें भी दो से सात घंटे की देरी से दिल्ली पहुंची। पिछले कई दिनों से पूर्व दिशा के यात्रियों को परेशानी हो रही है।

'दो करोड़ दो नहीं तो जान से मार देंगे', दिल्ली के फर्नीचर व्यापारी में खौफ; नंदू उर्फ कपिल सांगवान गिरोह पर आरोप

पश्चिमी दिल्ली/ भव्य खबर । नजफगढ़ इलाके में एक फर्नीचर व्यापारी को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। आरोपित ने वॉट्सऐप काल कर खुद को नंदू उर्फ कपिल सांगवान बताया व पैसे न देने पर व्यापारी व उनके परिवार को निशाना बनाने की धमकी दी। व्यापारी की शिकायत पर नजफगढ़ थान पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस तकनीकी जांच कर आरोपित का पता लगाने की कोशिश कर रही है। व्यापारी ने पुलिस को बताया कि वह अपने मकान के भूतल पर फर्नीचर की दुकान चलाते हैं। सोमवार दोपहर 3:01 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से वॉट्सऐप काल आया। कालर ने खुद को नंदू बताया और कहा, तुम म फर्नीचर से बोल रहे हो ना, तेरी दुकान पर 2530 गोली मरवा देंगे। हमें पता है कि तेरे परिवार के लोग कहां-कहां आतेजाते हैं। दो करोड़ रुपये नहीं दिए तो जान से मार देंगे। नंदू उर्फ कपिल सांगवान के खिलाफ कार्रवाई की मांग 9 मिनट की बातचीत के बाद उसी नंबर से नौ मैसेज भी आए। मैसेज में परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपित ने धमकी दी कि उसने पहले भी कई लोगों को ऐसा सबक सिखाया है। डरे हुए शिकायतकर्ता ने तुरंत नजफगढ़ थाने में शिकायत दी और नंदू उर्फ कपिल सांगवान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजधानी में फिर कत्ल, दोस्त को दी दर्दनाक मौत; वारदात से दहल उठा पूरा इलाका

दक्षिणी दिल्ली/ भव्य खबर । साउथ ईस्ट दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के श्रीनिवासपुरी में मामूली बात पर एक युवक ने अपने दोस्त पर जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है। उधर, घटना की जानकारी लगने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच की। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा वहीं, मृतक की पहचान 22 साल के राकेश के रूप में हुई है। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हमले में आरोपी लालाजी भी घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली में बंद पड़े एनडीएमसी के वाटर एटीएम, भीषण गर्मी में प्यासे भटक रहे लोग; मजबूरी में खरीद रहे पानी की बोतल

नई दिल्ली/ भव्य खबर । राजधानी दिल्ली में सरकारी विभाग अपनी गलती किस तरह छिपाते हैं तो इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वाटर एटीएम धूल खा रहे हैं या फिर कबाड़ हो रहे हैं, लेकिन एनडीएमसी में रिकॉर्ड में वह चालू स्थिति में है। एक दो जगह नहीं कई स्थानों पर यह वाटर एटीएमल बंद पड़े हैं, लेकिन एनडीएमसी का दावा है कि 37 में 34 वाटर एटीएम संचालित हो रहे हैं। इन वाटर एटीएम के रखरखाव का जिम्मा एनडीएमसी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पास है लेकिन अपनी नाकामी को छिपाने के लिए विभाग के अधिकारी झूठे दावे कर रहे हैं। पड़ताल में कई स्थानों पर वाटर एटीएम खराब पड़े मिले। इसमें स्टेट एंट्री रोड, सुपर बाजार, आरएमएल अस्पताल, मंडी हाउस के दो वाटर एटीएम, कनॉट प्लेस के एलआइसी दफ्तर, बाराखंभा के पास वाटर एटीम बंद पड़े मिले। कई जगह पर वाटर एटीएम पर अतिक्रमण तक हो गया है। एनडीएमसी के वाटर एटीएम बंद होने से यहां लाखों की समस्या प्रतिदिन दूसरे इलाकों से लोग आते हैं जो कि बोतलबंद पानी खरीदने पर मजबूर होते हैं। जून जुलाई में तो और समस्या बढ़ जाती है। यह ऐसा नहीं कि वाटर एटीएम इसी वर्ष खराब है। पिछले कुछ वर्षों से ज्यादातर वाटर एटीएम ऐसे ही नजर आते है। सी द्वारा प्रमुख स्थानों, प्रमुख मार्गों पर करीब 100 वाटर एटीएम लगाए गए। 20-30 रुपये देकर पानी खरीद रहे लोग कुछ वर्ष तो यह चले लेकिन दो साल से यह खराब पड़े हैं। राम मनोहर लोहिया अस्पताल जहां लोग सस्ते इलाज के लिए दूर-दूर से इलाज कराने आते हैं वहां अस्पताल के बाहर लगा वाटर एटीएम बंद पड़ा है। इससे मरीजों के साथ तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इतना ही संसद मार्ग पर लगे वाटर एटीएम खराब पड़ा है। इस पर अतिक्रमण भी हो गया है। यहां पर पटरी लगाने कपड़े भी बिक्री के लिए टांग लिए हैं। राहगीर सीमा ने बताया यहां का एटीएम तीन साल से बंद है। गर्मी में जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है

एयरस्ट्राइक के बाद अलर्ट पर दिल्ली, आईजीआई एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स में देरी से यात्री परेशान; देखें लिस्ट

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर उड़ानों के रद होने और देरी से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऑपरेशन के बाद जम्मू, श्रीनगर, लेह, चंडीगढ़ आदि जगह की उड़ानें पूरी तरह बंद कर दी गई। इंडिगो और एयर इंडिया सहित विभिन्न विमानन कंपनियों ने सोशल मीडिया पर उड़ानों के रद होने की जानकारी साझा की। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने यात्रियों से घर से एयरपोर्ट निकलने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति के बारे में संबंधित एयरलाइन से जानकारी लेने की सलाह दी है। आईजीआई एयरपोर्ट पर अब तक इतनी फ्लाइट्स रही लेट अंतरराष्ट्रीय प्रस्थानः 28 आगमनः 9 घरेलू प्रस्थान 9 आगमन 0 कैंसिल अंतरराष्ट्रीय - हांगकांग, बेन गुरीन इंटरनेशनल, बिशकेक व अलमाटी। घरेलू - लेह, कोचिन, श्रीनगर चंडीगढ़ अमृतसर आदि जो कल थी। बुधवार

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एहतियात के तौर पर दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआई) एयरपोर्ट से कई फ्लाइट्स कैंसिल की गई हैं। साथ ही कई उड़ानों की देरी से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

को इधर उधर चक्कर लगाते रहे यात्री उल्लेखनीय है कि बुधवार को फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी मिलने से पहले काफी यात्री या तो एयरपोर्ट पहुंच चुके थे या फिर एयरपोर्ट के लिए निकल चुके थे। बाद में सभी यात्री एयरपोर्ट पर फंस गए। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वह एयरपोर्ट पर रहकर इंतजार करें या सड़क मार्ग या ट्रेन से अपने गंतव्य की ओर रवाना हों। जगह जगह यात्री बैगों को लेकर इधर उधर चक्कर लगाते नजर आए। वहीं उड़ानों के रद होने की वजह से क्रू मैंबर भी एयरपोर्ट पर ही दिखाई दिए। धर्मबीर अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ लेह जाने वाली उड़ान में यात्रा करने के लिए टर्मिनल तीन पर पहुंचे थे। वहां पर वह यात्रा के लिए इंतजार कर रहे थे। उन्होंने बताया, हमने मील का उपयोग करके प्रीमियम इकोनॉमी बुक की थी, लेकिन उड़ान रद होने की सूचना के बाद कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। भीड़ से भरा दिखा एयर इंडिया का हेल्प डेस्क बच्चों के साथ इतने घंटे इंतजार करना बहुत मुश्किल है। इसी तरह, मुदब्बीर भी एयरपोर्ट पर काफी परेशान नजर आए। उन्होंने बताया कि वह कोटा से नीट की तैयारी कर रहे हैं। वह अपने घर श्रीनगर लौट रहे थे, उड़ान रद होने की वजह से वह वैकल्पिक व्यवस्था की तलाश में परेशान थे। उन्होंने कहा, ह्यघर के लोग परेशान हैं। बार-बार कॉल कर रहे हैं। एयर इंडिया का हेल्प डेस्क भीड़ से भरा है। अब बस या ट्रेन से ही घर जाउंगा। इसी तरह क्रू मैंबर स्वाति ने बताया कि वह द्वारका इलाके में रहती हैं और सुबह ही तैयार होकर एयरपोर्ट पहुंच गई। यहां आने के बाद उन्हें पता लगा कि उड़ानें रद कर दी गई हैं। इसलिए वह वापस भी नहीं जा सकती हैं। इसी तरह और भी क्रू मैंबर सामान लेकर एयरपोर्ट पर दिखाई दिए।

धार्मिक स्थल को तोड़ने पहुंची डीडीए की टीम, लोगों ने किया जमकर विरोध; 10 साल से सील है ये मंदिर

पूर्वी दिल्ली। कोर्ट के निर्देश पर दिल्ली के प्रियदर्शनी विहार में डीडीए की टीम गुरुवार को लक्ष्मी नारायण मंदिर (धार्मिक स्थल) को तोड़ने पहुंची। इस दौरान स्थानीय लोगों ने टीम का विरोध कर दिया। वहीं, स्थानीय लोग इस मंदिर को तोड़ने का विरोध कर रहे हैं। जानकारी लगने पर हिंदूवादी नेता जय भगवान गोयल भी मौके पर पहुंचे हैं। बताया गया कि यह मंदिर पिछले 10 साल से सील है। बताया जा रहा है कि अभी डीडीए की टीम, पुलिस व अर्धसैनिक बल मौके पर मौजूद है। फिलहाल कार्रवाई रुकी हुई है। प्रियदर्शनी विहार में रहने वाले वकील वीके मित्तल मंदिर के खिलाफ कोर्ट गए थे। आरोप लगाया था लोगों ने जमीन पर कब्जा करके मंदिर बनाया है। डीडीए की जमीन है। बिना अनुमति के अवैध रूप से मंदिर बना दिया।

सवालों के घेरे में आश्रम फ्लाईओवर की री-डिजाइनिंग, दोषी अफसरों पर होगा एक्शन; पीडब्लूडी करेगा जांच

नई दिल्ली। विस्तारित आश्रम फ्लाईओवर की दोषपूर्ण री-डिजाइनिंग सवालों के घेरे में आ गई है। दिल्ली सरकार ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को यह पता लगाने का निर्देश दिया है कि डीएनडी फ्लाईवे तक इसके विस्तार की योजना बनाते समय आसपास के अतिक्रमण पर विचार क्यों नहीं किया गया? दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की बात भी कही गई है। मालूम हो कि विस्तारित फ्लाईओवर के डिजाइन को निर्माण के दौरान बदलना पड़ा और 259 मीटर के विस्तार में अतिक्रमण को बचाने के लिए दीवार के बजाय पिलर खड़े कर दिए गए। इस परिवर्तन से इसकी लागत में लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बजट 129 करोड़ रुपये के शुरूआती अनुमान से बढ़कर 185 करोड़ रुपये हो गया। विस्तारित फ्लाइओवर को मार्च 2023 में यातायात के लिए खोल दिया गया। सूत्रों के मुताबिक आश्रम फ्लाईओवर के विस्तार की संशोधित परियोजना लागत को कुछ दिन पहले पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर-इन-चीफ द्वारा व्यय वित्त समिति (ईएफसी) के समक्ष लाया गया था। इसकी अध्यक्षता दिल्ली की वित्त मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करती हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि निर्माण कार्य के दायरे में बदलावह्न के कारण लागत में संशोधन किया गया है। आश्रम फ्लाइओवर से डीएनडी फ्लाइओवर तक फ्लाईओवर के विस्तार के मूल प्रस्ताव को आप सरकार ने छह दिसंबर, 2019 को हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी थी। ईएफसी ने बढ़ी हुई परियोजना लागत को मंजूरी देने के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया। पहले था 129 करोड़ का बजट ईएफसी ने पाया कि कार्य के दायरे में बदलाव का कारण ह्लप्रभावित क्षेत्र से अनधिकृत अतिक्रमण न हटाना, यातायात विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलना और परियोजना की शुरूआत में देरी के कारण अनुबंध संबंधी देनदारियों में वृद्धि बताया गया था। समिति ने पाया कि निर्माण शुरू होने से पहले भूमि पर कोई अतिक्रमण न हो। लंबित बिलों का भुगतान अभी भी बाकी हालांकि, पीडब्ल्यूडी ने समिति को यह नहीं बताया कि उन्हें अतिक्रमण कब दिखाई दिया, परियोजना शुरू होने से पहले, निविदा दस्तावेज जारी करने से पहले या बोलियां आमंत्रित करने के बाद, जिसके परिणामस्वरूप समय और लागत बढ़ गई

'भारत ने विश्व को आपदा से बचाया, अब जिहादी आतंक से भी बचाएंगे', ऑपरेशन सिंदूर पर बोले विहिप के विनोद बंसल

नई दिल्ली। विहिप ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम की सराहना करते हुए कहा है कि जिस प्रकार भारत ने कोरोना जैसी महामारी में पूरे विश्व में टीका देकर लोगों की जान को बचाया, उसी प्रकार अब पाक परस्त आतंकवाद से भी विश्व को मुक्ति दिलाएगा। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि अभी तक भारत ने विश्व को आपदा व कुसंस्कारों से बचाया, अब आतंक से बचाने का संकल्प लिया है। हमने प्राकृतिक आपदा व युद्ध विभीषिका से अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के नागरिकों को भी बचाया, कोविड रोधी टीके विकसित कर सम्पूर्ण

विश्व को दिए और वसुधैव कुटुंबकम् का स्पष्ट संदेश दिया। वैश्विक रूप से अलग थलग पड़े पापी पाकिस्तान व उसके जिहादी कुनबे को अब या तो आतंकवाद छोड़ना होगा या फिर अपने प्राण त्यागने होंगे। आतंकवाद ही पाकिस्तान का मजहब : विनोद बंसल उन्होंने कहा, "पहले आतंकियों द्वारा धर्म जांच कर मारना और अब इस्लामिक रीति से आतंकियों के जनाजे में पाक आर्मी व उसके नेताओं की सहभागिता ने यह पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद ही पाकिस्तान का एक मात्र मजहब है। सम्पूर्ण विश्व व वैश्विक नेतृत्व को अब पूरे प्रण पण से साथ विश्व शांति व समृद्धि के इस महा-अभियान में भारत और उसके कुशल नेतृत्व के साथ कंधे से कंधा मिला कर साथ रहना चाहिए।" विहिप प्रवक्ता ने कहा कि इस्लामिक जिहादी आतंकवाद से सम्पूर्ण विश्व त्रस्त तो है किन्तु अभी तक कुछ कर नहीं पा रहा था। अब, जब भारत ने आतंकवाद के समूल नाश का यह बीड़ा उठा ही लिया है, तो आतंकिस्तान की कमर तोड़ने तथा आतंक की इस महामारी से दुनिया को बचाने के लिए सबको भारत का साथ देना ही चाहिए।

हत्या के मामले में पैरोल जम्पर को पूर्वी जिले के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने किया गिरफ्तार

एक अवैध देशी पिस्तौल; एक जिंदा कारतूस बरामद

पूर्वी जिले में अपराध और अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चल रहा है। एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड सहित पूर्वी जिले के ऑपरेशन विंग को पूर्वी जिले में सादे कपड़ों में गश्त करने और उभरते अपराधियों, अवैध हथियार धारकों, ड्रग पेडलर्स आदि के खिलाफ काम करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया गया था। एसीपी ऑपरेशन पवन कुमार के नेतृत्व में पूर्वी जिले के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड की एक टीम, जिसमें इंस्पेक्टर अरुण कुमार, प्रभारी एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ईस्ट, एसआई दीपक, एसआई राहुल, एसआई संजीव, एएसआई देवेंद्र, एएसआई अरुण, हेड कांस्टेबल अमित, हेड कांस्टेबल देवेश, हेड कांस्टेबल प्रदीप शर्मा, हेड कांस्टेबल

विवेक शामिल थे की टीम का गठन डीसीपी अभिषेक धानिया आईपीएस की निगरानी में किया गया। तदनुसार, एएनएस स्टाफ ने स्थानीय मुखबिरों को संवेदनशील बनाने और मानव खुफिया जानकारी एकत्र करके ईमानदारी से प्रयास शुरू किए, नतीजतन, क्षेत्र में रोकथाम और पता लगाने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त तेज की गई। 7-8 मई 2025 की मध्य रात्रि को, पूर्वी जिले के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड को गुप्त सूचना मिली कि अरमान नामक एक अपराधी उत्सव ग्राउंड, आईपी एक्सटेंशन, दिल्ली में आ रहा है और उसके पास एक अवैध हथियार है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, लगभग 8:40 बजे, एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड की छापेमारी टीम ने उत्सव ग्राउंड, आईपी एक्सटेंशन, दिल्ली में एक जाल बिछाया और मुखबिर के कहने पर एक व्यक्ति को देखा गया। पुलिस टीम को अपनी ओर आते देख उसने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे रोक लिया और काबू कर लिया। उसकी सरसरी तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी पिस्तौल और 1 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बाद में व्यक्ति की पहचान अरमान निवासी गगन विहार, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यूपी, उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई। जांच के दौरान, यह पाया गया कि आरोपी अरमान की एफआईआर थाना अमन विहार, दिल्ली के तहत हत्या के मामले में पैरोल मिली थी और उसे 4 मई 2025 को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना था, लेकिन वह पैरोल पर भाग गया और खुद को छिपा रहा। तदनुसार, एफआईआर आर्म्स एक्ट के तहत थाना मधु विहार, दिल्ली में मामला दर्ज किया गया और आरोपी अरमान को गिरफ्तार कर जांच शुरू की गई। आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के इस इलाके में चलेगा बुलडोजर, सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए को दिया अवैध निर्माण गिराने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को ओखला गांव में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को ध्वस्त करने का निर्देश दिया। जस्टिस अभय एस. ओका और उज्ज्वल भुयान की पीठ ने डीडीए को तीन महीने के भीतर अनुपालन हलफनामा दायर करने को कहा। पीठ ने कहा, "हम डीडीए को दो बीघा और 10 बिस्वा क्षेत्र में अनधिकृत संरचनाओं के संबंध में कानून के अनुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने का निर्देश देते हैं।" सरकारी जमीन से

हटेंगे अवैध निर्माण कोर्ट ने कहा कि हम स्पष्ट करते हैं कि किसी भी संरचना को ध्वस्त करने से पहले संबंधित व्यक्तियों को कम से कम 15 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत दिल्ली में सरकारी भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के खिलाफ निर्देशों के उल्लंघन के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उधर, चांदनी चौक व पुरानी दिल्ली के लगभग सभी बाजारों की सड़कें अतिक्रमण की जद में है। दरीबाकला, चांदनी चौक के महेश चंद्र शर्मा के साथ एक प्रतिनिधिमंडल दरीबा बाजार में अतिक्रमण की शिकायत लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलने उनके निवास पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को बताया कि दरीबा में खाने पीने के सामान की रेहड़ी वालों की समस्या बढ़ गया है जिससे गलियों से बाहर निकलना दूभर हो गया है। दरीबा जौहरी बाजार है और रेहडियों के चलते सारा दिन यातायात जाम रहता है, जो सुरक्षा के लिए खतरा बना रहता है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल निवासी महेश चंद्र शर्मा के अनुसार कूंचा लटटू शाह या कटरा मशरू सबके बाहर रेहड़ी लगी हैं। स्कूटर पर तो क्या पैदल भी बाहर नही निकल सकते। अतिक्रमण हटाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे - रमेश गर्ग प्रीत विहार वार्ड में अतिक्रमण की समस्या दूर होगी।

14 करोड़ की नकली दवाएं... चौंकाने वाली इस रिपोर्ट ने उड़ाए अफसरों के होश; ऐसे चल रहा बड़ा खेल

नई दिल्ली। दिल्ली के दिल चांदनी चौक का भागीरथी पैलेस नकली दवाओं का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई इसकी पुष्टि कर रही है। 1969 से संचालित देश के सबसे बड़े थोक दवा व्यापारिक केंद्रों में शुमार भागीरथी पैलेस पर पिछले तीन वर्षों में दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग और दिल्ली पुलिस ने छापेमारी कर 14 करोड़ से अधिक की नकली दवाएं पकड़ी हैं। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर नकली दवाएं कैंसर, हृदय, किडनी, डायबटिज और नसों के रोगों से संबंधित थी, जिन्हें नामी दवा कंपनियों के ब्रांड नाम से पैक कर बेचा जा रहा था। नकली दवाओं की पैकेजिंग, बारकोड-क्यूआर कोड मूल दवाओं जैसे होने से इनके खरीदार झांसे में आ जाते हैं, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ जाती है। बता दें कि कमजोर निगरानी और भ्रष्ट तंत्र ने इस काले धंधे को बड़े कारोबार में तब्दील कर दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सख्ती, दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग की लगातार कार्रवाई के बावजूद भागीरथी पैलेस से नकली दवाओं के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लग पा रहा। पिछले वर्षों में हुई बड़ी कार्रवाई अगस्त 2019: जयपुर में 40 लाख रुपये की नकली दवाएं (लोसार एच, ब्लड प्रेशर की दवा) पकड़ी गई थीं, जिन्हें भागीरथी पैलेस से सप्लाई किया गया था। मार्च 2024: क्राइम ब्रांच व दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग ने भागीरथी पैलेस में छापामारी कर दो करोड़ की कैंसर और डायबिटीज की नकली दवा पकड़ी। दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। अप्रैल 2024: कैंसर और डायबिटीज की चार करोड़ की नकली दवाओं का भंडाफोड़, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भागीरथी पैलेस में नकली दवाओं की सप्लाई के रैकेट का पदार्फाश किया। दो आरोपितों, जिनमें दुकान के पार्टनर भी शामिल था, को गिरफ्तार किया गया। दिसंबर 2024: भागीरथी पैलेस से औषधि नियंत्रण विभाग ने पांच लाख से अधिक कैंसर, किडनी, लिवर और हृदय रोगों से संबंधि नकली दवा पकड़ी थी, जिन्हें सप्लाई किया जाना था। जनवरी 2025 में आठ करोड़ रुपये की नकली दवाओं का भंडाफोड़ क्राइम ब्रांच ने भागीरथी पैलेस

सहित दिल्ली-एनसीआर में नकली दवाओं के बड़े सिंडिकेट को पकड़ा, जिसका मास्टरमाइंड एक चिकित्सक था।

संक्षिप्त डायरी

आबकारी निरीक्षक और सिपाही जिम्मेदारी से भागते,,पुलिस काली करतूतों पर लगती लगाम

उन्नाव/ भव्य खबर/ राजेश कुमार । आबकारी विभाग के लिए सदर आबकारी निरीक्षक और खासकर सिपाही के लिए भगवान केवल पैसा मैने रखता है रखता है इसी लिए कैबर जानकारी देने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं होती हैं चाहे सलेमपुर करोवन हो या गंगाघट थाना क्षेत्र हो इसी लिए पुलिस ने गत दिवस उप निरीक्षक ने नकली मिलावटी या अवैध रूप से बिक्री होते हुए 40 क्वॉटर दीवाना ब्रांड के साथ एक युवक को दबोच लिया देखने वाली बात होगी जिला आबकारी अधिकारी या डीएम साहब क्या कार्यवाही करेंगे या हिस्सेदार साबित होगे। आबकारी निरीक्षक और सिपाही की लापरवाही कहे या अवैध धन की भूख जो कोई भी आबकारी विभागीय कार्यशैली अपनाने से पीछे ही भागते है अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़कर बैठे रहते आखिर इनके पास कौन सी जिम्मेदारी है जो क्षेत्र में चल रही गत विधियों के लिए समय नहीं मिलता है कहा कौन सी कार्यवाहियों में व्यस्त रहते हैं जो इनकी जिम्मेदारी पुलिस को उठानी पड़ती है जैसा कि पूर्व में देशी शराब का कारोबार करने वालों की लगातार जानकारी देने के बावजूद कार्यवाही नहीं करते हैं जैसा कि गत दिवस गंगाघाट कोतवाली पुलिस के उ0नि0 कमल किशोर दुबे मय हमराह फोर्स द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन की चेकिंग के दौरान युवक रिंकू पुत्र रामशंकर निवासी ग्राम अगेहरा को 40 अदद क्वाटर देशी शराब दीवाना ब्रांड नाजायज के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 251/2025 धारा 60 ए अउळ बनाम पर कार्यवाह कर पंजीकृत किया गया।

अंधेर नगरी चौपट राज,,डिप्टी सीएम है कैबिनेट स्वस्थ मंत्री,,अस्पताल की खबरों को कवरेज करना प्रतिबंधित

उन्नाव/ भव्य खबर/ राजेश कुमार । जिला अस्पताल की भ्रष्टाचारी ना उजागर हो जाए इस लिए पुरुष,एवं महिला सीएमएस ने पत्रकारों के कवरेज पर रोकगा दी जब गत दिवस जिला प्रभारी मंत्री धर्म पाल सिंह से पत्रकारों ने सवाल किया था उस समय सांसद विधायक गण भी जिला अस्पताल में मौजूद थे तब यही अधिकारी कहते सुने गए थे कि किसी भी प्रकार की कोई रोक नहीं लगाई गई है जबकि आज ही जिला अस्पताल के आकस्मिक कक्ष में एक मरीज व परिजनों को बिलखते देखा तो पत्रकारों ने जैसे की कवरेज करने लगे तो तैनात गार्ड ने रोक लगा दी कहा कि सीएमएस साहब की परमिशन लेकर आई यही हाल महिला सीएमएस का जो प्रसव पीड़िताओं के परिजनों से पांच हजार वसूली के बाद ही सीजर किया जाता है नहीं तो कानपुर अस्पताल भेजने के नाम पर कमीशन देने वाले निजी अस्पतालों के चौबीस घंटे मौजूद दलालों के हवाले कर दिया जाता है सस्ते इलाज के नाम पर जब पीड़ित निजी अस्पतालों में भर्ती हो जाते है फिर क्या खटमलों की भांति खून चूसने लगते है कुछ भी हो कर्ज लेकर भूमि बेचकर बिल भरते है उसके बाद कमीशन निजी अस्पतालों के दलाल स्वयं पहुंचा देते है लोगों में चर्चा है कि इसे ही असली भाजपा सरकार कहते सच्चाई का आईना दिखाओगे तो आंखों में कांच पिघलाकर आंखों में ही डाल दिया जाता है।

कौन सच्चा कौन झूठ,,पहलगांव आतंकी हमले का दोषी कौन ,?

उन्नाव/ भव्य खबर/ राजेश कुमार । वैसे तो लोगों में चर्चा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार करती कुछ और है कहती कुछ और है यही हाल कुछ सत्तपोषी कलमकारों का हाल है की करना धरना कुछ नहीं भारतीय जनता पार्टी की सरकार की केवल वह वाही लूटने और घुमा फिरा कर एक हवा बना देना फितरत में हासिल है जिसके चलते हैं विगत व विगत दिवस जम्मू कश्मीर के पल गांव में आतंकियों के द्वारा पर्यटकों के ऊपर आधार ढूंढ फायरिंग करके मौत की नींद सुला दिया गया अब हकीकत क्या है यह तो राजनेता ही बता सकते हैं क्योंकि आतंकवादी पाकिस्तान से 200 किलोमीटर अंदर जाकर पर्यटकों पर अंधाधुंध गोली चलाकर फिर वापस अपने मुल्क चले जाना यह बहुत बड़ी चूक है इस चूक की जिम्मेदारी आखिर किसकी है खुफिया तंत्र की है यह सरकार की है यह कहना तो संभव नहीं है फिलहाल देश के प्रत्येक जनपद में हाई अलर्ट जारी रखा गया है जैसा कि आज जनपद में देखने को मिला है की लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर बने एयरवेज रनवे में का जायजा लेने बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी और बेटा मुजावर थाना प्रभारी पहुंचकर दलबल के साथ जायजा लिया। आपको बताते चलें कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में हाई अलर्ट जारी है और पुलिस प्रशासन सभी मिलकर पहनी नजर रखे हुए हैं चाहे वह बस स्टैंड हो रेलवे स्टेशन हो होटल ढाबा हो सभी जगह पर सघन जांच की जा रही है कि किसी भी प्रकार की कोई चूक ना हो सके जिसके परिणाम स्वरूप लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी का पुलिस ने जायजा लिया और सारी रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक व जिला अधिकारी को दी है।

कौन सच्चा कौन झूठ,,पहलगांव आतंकी हमले का दोषी कौन ,?

उन्नाव/ भव्य खबर/ राजेश कुमार । वैसे तो लोगों में चर्चा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार करती कुछ और है कहती कुछ और है यही हाल कुछ सत्तपोषी कलमकारों का हाल है की करना धरना कुछ नहीं भारतीय जनता पार्टी की सरकार की केवल वह वाही लूटने और घुमा फिरा कर एक हवा बना देना फितरत में हासिल है जिसके चलते हैं विगत व विगत दिवस जम्मू कश्मीर के पल गांव में आतंकियों के द्वारा पर्यटकों के ऊपर आधार ढूंढ फायरिंग करके मौत की नींद सुला दिया गया अब हकीकत क्या है यह तो राजनेता ही बता सकते हैं क्योंकि आतंकवादी पाकिस्तान से 200 किलोमीटर अंदर जाकर पर्यटकों पर अंधाधुंध गोली चलाकर फिर वापस अपने मुल्क चले जाना यह बहुत बड़ी चूक है इस चूक की जिम्मेदारी आखिर किसकी है खुफिया तंत्र की है यह सरकार की है यह कहना तो संभव नहीं है फिलहाल देश के प्रत्येक जनपद में हाई अलर्ट जारी रखा गया है जैसा कि आज जनपद में देखने को मिला है की लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर बने एयरवेज रनवे में का जायजा लेने बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी और बेटा मुजावर थाना प्रभारी पहुंचकर दलबल के साथ जायजा लिया। आपको बताते चलें कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में हाई अलर्ट जारी है और पुलिस प्रशासन सभी मिलकर पहनी नजर रखे हुए हैं चाहे वह बस स्टैंड हो रेलवे स्टेशन हो होटल ढाबा हो सभी जगह पर सघन जांच की जा रही है

यूपी के 20 जिलों में अलर्ट, प्रयागराज में तूफान

लखनऊ में तेज बारिश, सुल्तानपुर में कार पर पेड़ गिरा, 2 दोस्तों की मौत

लखनऊ। यूपी में मौसम अचानक एक बार फिर बदल गया। लखनऊ-बाराबंकी में सुबह तेज बारिश हुई। बुधवार रात प्रयागराज में तूफान आया। पेड़ उखड़कर और होर्डिंग्स उखड़कर सड़कों पर गिर गई। बिजली के तार और पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में लखनऊ-बलिया हाईवे पर चलती बोलेरो पर पेड़ गिर गया। हादसे में कार सवार 2 दोस्तों की मौत हो गई। प्रशासन ने बुलडोजर बुलवाकर पेड़ को हटाया, तब जाकर कार से लाश निकल पाए। वाराणसी में देर रात तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज गुरुवार को यूपी के 20 जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। कल यानी बुधवार की बात करें तो बांदा सबसे गर्म शहर रहा। अधिकतम तापमान 42.2°C डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रायबरेली सबसे ठंडा शहर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 18.8त्उ रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के औसत तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आई है। आने वाले 48 घंटों तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

बरेली में ठंडी हवाएं चल रही हैं। हल्की धूप निकली हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज तापमान 37 डिग्री तक जा सकता है। लखनऊ में देर रात से बूंदाबांदी हो रही है। बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने दिन में आंधी के लिए अलर्ट किया है। देर रात न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, आज दिन में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। बाराबंकी में सुबह मौसम बदल गया। इसके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते तापमान में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है.। प्रयागराज में बुधवार रात अचानक मौसम बदल गया। रात साढ़े 8 बजे तूफान आ गया। मुट्ठीगंज में तेरहवीं कार्यक्रम के दौरान पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। करेलबाग

में पेड़ गिरने से बिजली का तार टूट गया, और करंट की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत हो गई। कई इलाकों में हवा से पेड़, बोर्ड उखड़ गए और होर्डिंग्स नीचे गिर गईं। जय सिंहपुर में लखनऊ-बलिया हाईवे पर चलती बोलेरो पर पेड़ गिर गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जितेंद्र वर्मा (42) और हरीश (45) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची जय सिंहपुर पुलिस ने बुलडोजर की मदद से पेड़ को हटवाया। हादसा कोतवाली क्षेत्र के रामपुर स्थित पटेल ढाबा के पास हुआ। मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया- उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और वेदर सिस्टम का असर कमजोर पड़ना शुरू हो गया है। तराई, बुंदेलखंड और कुछ पश्चिमी जिलों को छोड़कर बाकी हिस्से में बुधवार से पारा चढ़ने लगा है। अगले 5 से 6 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की उछाल आने की संभावना है। सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, प्रयागराज, वाराणसी, भदोही, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद।

फरुर्खाबाद और कन्नौज जिले के प्रभारी बने शैलेन्द्र सिंह गहवार

संवाददाता

कुशीनगर। जनता दल युनाईटेड के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने जेडीयू के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री गहवार को जनपद फरुर्खाबाद और कन्नौज का प्रभारी मनोनीत किया है।

जनपद कुशीनगर के ग्राम सखवनिया बुजुर्ग निवासी श्री गहवार को सांगठनिक मजबूती और सदस्यता अभियान को गतिशील बनाने के साथ एक माह के अंदर जिला इकाइयों के गठन का निर्देश प्रदेश नेतृत्व ने दिया है। प्रभारी बनाए जाने पर श्री गहवार को एड. शुभेन्द्र प्रताप सिंह राष्ट्रीय परिषद सदस्य जेडीयू, सत्यम सिंह जिलाध्यक्ष युवा जेडीयू कुशीनगर, मेराज अली जिला मीडिया प्रभारी, सत्यजीत सिंह गहरवार जिलाउपाध्यक्ष जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय गहरवार क्षत्रिय महासभा महासभा, एमकेएस गहरवार अभागक्ष महासभा, हनी सिंह जिला महामंत्री अखिल भारतीय क्षत्रिय चेतना परिषद, गंगेश विश्वकर्मा सदस्य भारतीय राष्ट्रीय कृषक संघ, दुर्गेश राय जिला

अध्यक्ष भाजपा, जयप्रकाश सिंह उर्फ टुनटुन, महेंद्र तिवारी, राजाराम पांडेय, संजय शुक्ला कीनरेश चौबे, एड. अनिल कुमार सिंह राष्ट्रीय संरक्षक अखिल भारतीय कारोबार क्षत्रिय महासभा, आशुतोष सिंह, अरविंद सिंह, उत्कर्ष सिंह, आर्यन मिश्रा, आरपी यादव, हरे राम पटेल, गोरख सिंह पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष जेडीयू, उदयभान चौधरी, शंभू यादव, अरविंद मिश्रा, दिग्विजय सिंह, प्रदीप जायसवाल, मनोज सिंह पटेल, भूपेंद्र सिंह, कांग्रेस नेता अंशुमन पांडेय सहित सैकड़ों लोगों ने बधाई दी है।

विश्व थैलीसीमिया दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं रक्तदान शिविर आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। विश्व थैलीसीमिया दिवस के अवसर पर गुरुवार को स्व. विश्राम सिंह रामवासी देवी फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा पकवाइनार डुमरी में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं रक्तदान शिविर में दस लोगों ने रक्तदान किया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के संरक्षक रत्नेश सिंह ने कहा कि थैलीसीमिया से लड़ने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता अनिवार्य है। रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता ही इस लड़ाई में सबसे बड़ा हथियार है। संस्था ग्रामीण अंचलों में पूर्व से ही महिला कल्याण, स्वास्थ्य, स्वच्छता

और पोषण को लेकर जागरूकता अभियान चला रही है। ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह ने बताया कि विगत वर्षों में ट्रस्ट द्वारा कुशीनगर, गोरखपुर, लखनऊ व बनारस जैसे शहरों में कैंसर व थैलीसीमिया से ग्रसित लगभग 300 मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया गया है। चिकित्सकों ने थैलीसीमिया के लक्षण, कारण, बचाव और उपचार संबंधी जानकारी दी गई। बताया कि यह बीमारी समय से जांच, दवा सेवन और जागरूकता से रोकी जा सकती है। साथ ही स्वच्छता एवं पोषण का भी विशेष महत्व बताया गया। शिविर में कुल 10 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसे जरूरतमंद मरीजों की सहायता हेतु सुरक्षित रखा गया है। रक्तदान शिविर में ब्लड प्रभारी डॉ. अमन सिंह व निखल सिंह, डॉ अमित सिंह अमरेंद्र पाण्डेय, रितेश सिंह विजय कुमार सिंह, सुमंत दुबे और उनकी टीम, आशा कार्यकताओं, स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका सराहनीय रही।

गैस भरते समय कार-ऑटो में लगी आग

हाथरस। सासनी क्षेत्र गांव गदाखेड़ा में 8 मई को सुबह करीब साढ़े 11 बजे अवैध तरीके से घरेलू गैस सिलिंडरों से ईको कार और ऑटो में गैस भरते समय आग लग गई, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। तब तक कार, ऑटो और अन्य सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड को मौके पर भारत गैस के घरेलू सिलिंडर भी मिले हैं, लेकिन मालिक अपने घर का ताला बंद कर फरार हो गया। अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं। दरअसल सोनू नाम का युवक गांव गदाखेड़ा में अपनी रिश्तेदारी में रहकर गाड़ियों में गैस भरने का काम करता है। ग्रामीणों ने बताया कि पिता की मौत होने के कारण वह 8 मई को अपने गांव बुलंदशहर गया था, जबकि उसके रिफिलिंग केंद्र पर गाड़ियों में गैस भरने का कार्य किया जा रहा था। गैस भरते समय अचानक ईको कार और ऑटो में आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी अपनी मच गई। सूचना पाकर कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन रिफिलिंग कर रहे लोग मकान का ताला बंद कर मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि कार में लगा गैस सिलिंडर नहीं फटा। अगर सिलिंडर फट जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। गैस भरवाने आए ऑटो चालक भी आग लगने के बाद अपने ऑटो छोड़कर मौके से फरार हो गए। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। फायर ब्रिगेड के इंचार्ज पीके अल्वी का कहना है कि मौके से पांच घरेलू सिलिंडरों को जब्त कर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हादसा, 3 की मौत

जालौन में सड़क किनारे सो रहे लोगों पर चढ़ा ट्रक, 2 गंभीर घायल; चालक फरार

जालौन। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह किलोमीटर संख्या 188.3 (बाएं लेन) पर दो ट्रकों और एक बाइक के टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में झांसी और जालौन जिले के युवक शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किए। घटना सुबह करीब 4:20 बजे की है। जानकारी के अनुसार, ट्रक नंबर वढ 93 इळ 5829 जिसमें पाइप लदे थे, सड़क किनारे खड़ा था। ट्रक को रंजीत यादव (निवासी पसौरा, थाना गरौठा, जिला झांसी) चला रहा था और उसके साथ हेल्पर पाटू पुत्र महेन्द्र सिंह (निवासी पटगवां, थाना कटेरा, झांसी) मौजूद था। हादसे के समय

दोनों खाना खाने के बाद ट्रक सड़क किनारे खड़ा कर आराम कर रहे थे। इसी दौरान लकड़ी लदा ट्रक मौके पर पहुंचा, जिसे लोकेश गुर्जर (निवासी जमालपुर, थाना कंचनपुर, धौलपुर, राजस्थान) चला रहा था। उसके साथ हेल्पर विक्की पुत्र शंकर लाल (निवासी बिहार) था। यह ट्रक तेज गति में था और अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में टकरा गया। उसी समय बगल से गुजर रही मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक रंजीत परिहार (18 वर्ष), रिशु परिहार (22 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम नंगेपुर, थाना कोंच, जिला जालौन, और लोकेंद्र यादव पुत्र राजा सिंह, निवासी ग्राम परसौरा, थाना गरौठा, जिला झांसी भी हादसे की चपेट में आ गए। तीन की मौके पर मौत इस दर्दनाक हादसे में पाटू, रिशु परिहार, और लोकेंद्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं लोकेश गुर्जर और विक्की गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज उरई रेफर किया गया है। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया और यातायात सुचारु कराया। साथ ही बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की पिकेट टीम ने भी राहत कार्य में सहयोग किया। जालौन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह का कहना है कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण लापरवाही और तेज गति है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की विधिक कार्रवाई जारी है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को दी भारतीय संस्कृति की गहन जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के निर्देशन में म्यांमार बुद्ध बिहार में राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति अभिरुचि पाठ्यक्रम विषयक कार्यशाला के दूसरे दिन 85 प्रतिभागियों को भारतीय संस्कृति की गहन जानकारी दी गई। गुरुवार

को आयोजित कार्यशाला भिक्षु संघ कुशीनगर अध्यक्ष एबी ज्ञानेश्वर ने सभी को आशीर्वाद दिया और भारतीय संस्कृति को दुनिया में श्रेष्ठ बताया।

मुख्य अतिथि प्रो. चंद्र प्रकाश सिंह ने संस्कृति और सभ्यता के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए लर्न, अनलर्न, रिलर्न की अवधारणा पर प्रकाश डाला। जो ज्ञान प्राप्ति के लिए जरूरी है। संचालन कर रहे संग्रहालय के वरिष्ठ कर्मी तेज प्रताप शुक्ला के सभी का स्वागत और आभार तरुण शुक्ला ने व्यक्त किया। कार्यशाला 10:30 भर सुबह से सायं 4:30 बजे तक प्रतिदिन आयोजित है। समापन 11 मई को होगा। कार्यशाला में बीपीजी के डॉ. विनोद सिंह, धीरेंद्र मिश्रा, बेग, ललित, भंते उपाली, भंते यशपाल, एनसीसी कैडेट्स, छात्र, छात्राएं मौजूद रहे।

10 मिनट के लिए मोबाइल की रोशनी भी नहीं दिखी

सड़कों पर रुक गई गाड़ियां, ब्लैकआउट खत्म होते ही लगे पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगे

पूर्णिया। पाक में आतंकियों के खिलाफ इंडियन एयरफोर्स ने एयरस्ट्राइक किया। जिस के बाद पाकिस्तान से जारी तनातनी के बीच पूर्णिया में बुधवार 7 मई को मॉक ड्रिल हुआ। पूर्णिया के आर एन साह चौक पर ठीक 6 बजकर 58 मिनट पर सायरन बजने लगी। सभी जगह से लाइटें बंद हो गईं। डीएम कुंदन कुमार, एसपी कार्तिकेय शर्मा, एसडीओ पार्थ गुप्ता पुलिस बल और वॉलंटियर्स तय समय से पहले आर एन साह पहुंच गए। 7 बजे पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। 10 मिनट तक ब्लैकआउट रहा। सभी ने घर, प्रतिष्ठान, मंदिर यहां तक की बाइक और मोबाइल तक की लाइट तक बंद कर दी। इस दौरान पूरा शहर अंधेरे में डूबा रहा। शहर के हृदयस्थली आर एन साह चौक पर आमदिनों से बिल्कुल अलग नजारा दिखाई दिया। ब्लैकआउट के दौरान गाड़ियों के पहिए रुके रहे। खुद को इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनाने के लिए शहर के आर एन साह चौक पर सैकड़ों लोग जुट गए। भारत माता की जय, पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगते रहे। 10 मिनट बाद फिर से बिजली व्यवस्था बहाल कर दी गई। वहीं ब्लैकआउट के बाद लाइट आते ही आर एन साह पर जुटे लोग जोश और उत्साह से भर गए। भारत और भारतीय सेना के जयघोष के नारे लगाते लोगों का उमंग देखने लायक था। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। पूर्णिया को कैटगरी-2 में रखा गया है। कैटगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसेटिव है। जिस वजह से पूर्णिया में मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट हुआ। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए डीएम कुंदन कुमार ने कहा, 'ये मॉक ड्रिल भारत सरकार के सिविल डिफेंस गाइडलाइन के तहत की गई है। अभ्यास देश के 244 जिलों में किया गया हैं। जिसमें बिहार के पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, पटना और बेगूसराय जिलों को इस लिस्ट में शामिल किया गया है। मॉक ड्रिल को लेकर पूरी पूर्णिया जिले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। इससे पहले फायर ब्रिगेड, पुलिस, थानों की गाड़ियां और अन्य आपातकालीन सेवाएं सायरन बजाकर लोगों को सूचित किया था। इमरजेंसी सेवाओं जैसे अस्पताल और एंबुलेंस को इस ब्लैकआउट से छूट रही।' डीएम कुंदन कुमार ने कहा कि यह केवल एक रिहर्सल है और नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। एसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि युद्ध छिड़ा नहीं है, यह सिर्फ एक रिहर्सल है। एसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मॉक ड्रिल नागरिकों को जागरूक करने और सुरक्षा तंत्र की जांच के लिए की गई है। इस रिहर्सल में सिविल डिफेंस, होमगार्ड, आपदा प्रबंधन विभाग, दमकल विभाग, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस बल शामिल रही।

राष्ट्रीय मॉकड्रिल में कटिहार ने दिखाई तत्परता

कटिहार। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हवाई हमले की मॉकड्रिल में अनुशासित भागीदारी दिखाते हुए सफलता हासिल की। शाम 6:58 बजे जिलेभर में हूटर बजाकर अलर्ट जारी किया गया, जिसके बाद पूरे जिले में 7:00 से 7:10 बजे तक पूर्ण ब्लैकआउट किया गया। जिलाधिकारी मणेश कुमार मीणा और एसपी वैभव शर्मा खुद सड़कों पर उतरकर मॉकड्रिल की निगरानी करते रहे। इस दौरान सिविल डिफेंस, होमगार्ड, पुलिस, आपदा मित्र और नेहरू युवा केंद्र की टीमें पहले से ही मुस्तैद थीं। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर टीमों ने लोगों को जागरूक किया। कटिहार रेल मंडल में भी मॉकड्रिल गंभीरता से की गई। डीआरएम सुरेंद्र कुमार के निर्देश पर कटिहार, पूर्णिया, अररिया और किशनगंज स्टेशनों पर बिजली बंद कर दी गई। प्लेटफॉर्म, ट्रेन, इंजन, सिग्नल और रेलवे परिसर को पूरी तरह अंधकारमय कर दिया गया। रेल परिचालन को अस्थायी रूप से रोका गया। रेल पुलिस और आरपीएफ ने यात्रियों को उद्घोषणा के माध्यम से शांत रहने की अपील की। रेल एसपी हरिशंकर कुमार और आरपीएफ प्रभारी मो. फरीद स्वयं फील्ड में पेट्रोलिंग करते रहे। उन्होंने बताया कि मॉकड्रिल का उद्देश्य युद्धकालीन या आपदा की स्थिति में तैयारियों और आम नागरिकों की सतर्कता का आकलन करना है। सभी नागरिकों ने मॉकड्रिल को गंभीरता से लिया और अपने घरों की लाइटें बंद रखीं। सड़क पर चल रहे वाहनों ने हेडलाइट बंद कर वाहन रोक दिए। इस दौरान कोई अफरा-तफरी या गड़बड़ी नहीं हुई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि जिले की जनता किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

पूर्णिया में प्रसूता की मौत बाद अस्पताल में तोड़फोड़

पूर्णिया। लाइन बाजार बिहार टॉकीज रोड स्थित प्राइवेट अस्पताल में प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने बवाल काटा। डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की। बीच सड़क पर शव रखकर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही एसपी कार्तिकेय शर्मा, प्रभारी एसडीपीओ कमल किशोर और 3 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया। करीब 3 घंटे बाद सड़क जाम खुला। बिना पोस्टमार्टम कराए ही परिजन शव लेकर घर चले गए। मृतका की पहचान अमौर थाना क्षेत्र के मंगलपुर निवासी अनमोल यादव की पत्नी प्रियांशी यादव(22) के तौर पर हुई है। 15 महीने पहले शादी हुई थी। अनमोल ने बताया कि मंगलवार शाम प्रसव पीड़ा के बाद प्रियांशी को डॉ. सुस्मिता प्रसाद के अस्पताल लेकर आए थे। यहां सुरक्षित ऑपरेशन की बात कहकर एडमिट करा लिया। फीस के नाम पर 51 हजार रुपए जमा करा लिए। वहीं, डॉ. सुस्मिता प्रसाद ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि पहले भी यहां इलाज कराने आते थी। क्रिटिकल कंडीशन में अस्पताल पहुंची थी। ब्लड की कमी थी। समय पर ब्लड अरेंज करने को कहा गया, मगर इसमें देरी हुई।

तेज प्रताप हसनपुर से लापता

तेजस्वी राघोपुर विधानसभा के लिए नहीं पक्का'- जदयू ने क्यों कहा ऐसा?

बोधगया। बिहार प्रदेश के जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजप्रताप और तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि तेजप्रताप हसनपुर से लापता हैं। वे कहते हैं कि हसनपुर से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और तेजस्वी यादव बोल ही नहीं पा रहे हैं कि वे राघोपुर से लड़ेंगे या नहीं। ये सब हारे हुए पहलवान हैं। जदयू के प्रवक्ता नीरज कमार ने यह बातें कहीं। भगवान बुद्ध की ज्ञान स्थली बोधगया में आयोजित जदयू के दो दिवसीय मीडिया सेल प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और जदयू पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नीरज कुमार शामिल हुए थे। प्रशिक्षण शिविर के समापन के बाद जदयू पार्टी ने प्रेस वार्ता कर जदयू के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि 2025 में एनडीए गठबंधन 225 सीटें जीतने जा रहा है। उन्होंने राजद के नेता तेजप्रताप यादव और तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें गहरा जख्म है। इसका उदाहरण है कि उनके भाई, जो बांसुरी बजाते हैं, वे हसनपुर से लापता हैं। वे कहते चल रहे हैं कि हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ेंगे। नीरज ने कहा कि बेचारे तेजस्वी यादव कुछ बोल ही नहीं पा रहे हैं कि राघोपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे या नहीं। राघोपुर के बारे में साफ नहीं बोल रहे हैं। एनडीए गठबंधन की एकता का असर है कि आज विपक्ष के नेता अपनी सीट के बारे में भी निश्चित नहीं हैं। वे अपनी सीट से चुनाव लड़ेंगे या नहीं, ये सब हारे हुए पहलवान हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए की चट्टानी एकता को देखते हुए लग रहा है कि इस बार 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों पर एनडीए का परचम लहराएगा। हालांकि, नीतीश कुमार के नेतृत्व में 225 सीटें जीतना तय माना जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि बोधगया में देश के सभी राज्यों के जदयू मीडिया सेल के कार्यकताओं के साथ कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में लोगों को बताया गया कि बिहार सरकार की 20 सालों की उपलब्धियों को लोगों के सामने प्रभावी रूप में कैसे रखा जाए, इस पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि जिस तरह भारतीय सेना के जांबाज जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया और अपना जलवा दिखाया, वह ऐतिहासिक कार्रवाई है।

संक्षिप्त डायरी

किशनगंज में युद्ध जैसी स्थिति का अभ्यासः डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

किशनगंज । युद्धकालीन तैयारी के तहत 10 मिनट का ब्लैकआउट अभ्यास किया गया। शाम 6:58 बजे पूरे शहर में सायरन बजाया गया, जिसके बाद लोगों ने अपने घरों और दुकानों की लाइटें बंद कर दीं। सड़क पर चल रहे वाहनों ने भी गाड़ियों की हेडलाइट बंद कर दी और वहीं रुक गए। ठीक 7:00 बजे, शहर की सभी लाइटें बंद कर दी गईं थी। इस दौरान डीएम विशाल राज और एसपी सागर कुमार खुद शहर की सड़कों पर उतरे और रिहर्सल की निगरानी किए। लोगों को बताया गया कि यह केवल एक अभ्यास है, ताकि युद्ध जैसी आपात स्थिति में नागरिक जान सकें कि उन्हें क्या करना है। डीएम विशाल राज ने कहा, अगर कभी युद्ध जैसी स्थिति आती है, तो सायरन बजते ही सभी नागरिक लाइटें बंद कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं, ताकि दुश्मन को आबादी का अंदाजा न लग सके। यहां तक कि मोबाइल और मोमबत्ती की रोशनी भी बंद रखनी चाहिए। 7:10 बजे, ब्लैकआउट समाप्त हुआ और शहर की रोशनी पुनः चालू कर दी गई। इस दौरान माइक के जरिए घोषणाएं की जाती रहीं, जिनमें सुरक्षित रहने के उपाय बताए गए। एसपी सागर कुमार ने बताया, लोगों ने प्रशासन के इस अभ्यास में शानदार सहयोग दिया। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय खिड़कियां ढकने, लाइटें बंद रखने और अनावश्यक बाहर न निकलने की आदत बनानी होगी। स्थानीय निवासी कादिर रहमानी ने कहा, हमें पहले से ही इस रिहर्सल के बारे में बताया गया था। आज के हालात में देश हर परिस्थिति से निपटने को तैयार है। हम सरकार के साथ हैं और चाहते हैं कि पाकिस्तान से आतंकवाद का हमेशा के लिए खात्मा हो। डीएम ने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य जन-जागरूकता बढ़ाना और प्रशासनिक तैयारियों को परखना है। उन्होंने और एसपी दोनों ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और भविष्य में ऐसे अभ्यासों में सहयोग देने की अपील की।

दूध टैंकर ने कार को मारी टक्कर, डॉक्टर की मौत

वैशाली । महुआ बाजार में शुक्रवार सुबह इलाके के युवा चिकित्सक डॉ. प्रिंस कुमार की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वे अपनी पत्नी और छोटे बेटे के साथ सीतामढ़ी से मोकामा ड्यूटी के लिए जा रहे थे। तभी झपहां गांव के पास उनकी कार को एक दूध टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि डॉ. प्रिंस की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनकी पत्नी, बेटा और वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज जारी है। मृतक डॉ. प्रिंस महुआ बाजार के प्रसिद्ध स्वर्ण व्यवसायी विजय गुप्ता के मंझले बेटे थे। जैसे ही हादसे की खबर महुआ पहुंची, उनके पैतृक निवास पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। नगर परिषद सभापति नवीन चंद्र भारती, पूर्व प्रखंड उप-प्रमुख सत्येंद्र कुमार, व्यापारी संघ के सचिव अमर गुप्ता, समेत सैकड़ों लोग मृतक चिकित्सक के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। डॉ. प्रिंस न सिर्फ एक योग्य डॉक्टर थे, बल्कि अपने व्यवहार से भी लोगों में काफी लोकप्रिय थे। उनकी असमय मौत ने न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे इलाके को गहरे सदमे में डाल दिया है।

भागलपुर में तीरंदाजी का समापन

भागलपुर । सैडिस कंपाउंड खेल मैदान में 7 मई को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन गरिमामय तरीके से किया गया। यह प्रतियोगिता 4 मई से शुरू हुई थी, जिसमें देशभर से आए प्रतिभाशाली तीरंदाजों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को मेडल दिए गए और खेल पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इस खास मौके पर भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त दिनेश कुमार, पुलिस महानिरीक्षक विवेक कुमार, टीएमबीयू के कुलपति डॉ. जवाहरलाल प्रसाद, सबौर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डी.आर. सिंह, जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हृदय कांत समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे। अर्जुन पुरस्कार विजेता कृष्णा घटक और रअक (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के अधिकारियों की उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा और बढ़ गई। नवगछिया के एसडीओ ऋतुराज प्रताप सिंह और अन्य अधिकारियों ने भी स्मृति चिन्ह दिए। इस प्रतियोगिता में देशभर से आए 12 विशेषज्ञ निर्णायकों ने फैसला सुनाया। निर्णायकों का नेतृत्व मेघालय की पैया वी. वार नोंगवारी ने किया। भागलपुर के ऐतिहासिक सैंडिस कंपाउंड खेल मैदान में बुधवार को तीरंदाजी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला हुआ। इसमें देशभर से 61 युवा तीरंदाजों ने हिस्सा लिया। महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण (गोल्ड) और 2 रजत (सिल्वर) पदक जीतकर बाकी सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। खासकर महाराष्ट्र की कंपाउंड गर्ल्स टीम ने जबरदस्त तीरंदाजी दिखाते हुए तीन पदक अपने नाम किए। रिकर्व बॉयज श्रेणी में महाराष्ट्र के उज्जल भारत ओलेकर ने शानदार खेल दिखाते हुए 6-2 से मुकाबला जीतकर गोल्ड मेडल हासिल किया। रिकर्व गर्ल्स वर्ग में भी महाराष्ट्र की शर्वरी सोमनाथ शिंदे ने 6-4 से जीत दर्ज कर एक और स्वर्ण पदक महाराष्ट्र की झोली में डाला। इस मुकाबले में झारखंड की तमन्ना वर्मा को सिल्वर मेडल मिला। भागलपुर में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। रिकर्व मिक्स टीम इवेंट में महाराष्ट्र के ज्ञानेश चेराले और शर्वरी शिंदे की जोड़ी ने 5-3 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कंपाउंड बॉयज श्रेणी में महाराष्ट्र के मनव गनेशराव जाधव ने 145-144 के करीबी मुकाबले में जीत हासिल की। इस श्रेणी में झारखंड के दिव्यांशु सिंह ने रजत पदक प्राप्त किया। महाराष्ट्र की पृथिका ने गोल्ड,तेजल राजेन्द्र साल्वे ने रेल एवं वैदेही हीराचन्द जाधव नै कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। कंपाउंड मिक्स टीम इवेंट में मनव गनेशराव जाधव और तेजल राजेंद्र साल्वे की जोड़ी ने 152-151 के स्कोर से खिताब पर कब्जा जमाया। अधिकांश तीरंदाजी श्रेणियों में महाराष्ट्र के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। महाराष्ट्र ने अकेले रिकर्व और कंपाउंड दोनों वर्गों में कुल 6 स्वर्ण पदक हासिल किए ।

भारत में अवैध रूप से प्रवेश करते 4 चीनी नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जम्मू कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद भारत के द्वारा आपरेशन सिंदूर के तहत किए गए एयर स्ट्राइक के बाद से भारत-नेपाल की सीमा पर बढ़ी चौकसी के दौरान एसएसबी ने चार चाइनिज नागरिकों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास भारत का वीजा नहीं है। चारों अवैध रुप से भारत में प्रवेश किए हैं। जो भारत के सीमावर्ती शहर रक्सौल के रास्ते नेपाल जाने के फिराक में थे। आपरेशन सिंदूर के बाद भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी चौकसी के दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिस व सशस्त्र सीमा बल 47 वीं वाहिंनी के जवानों ने विदेशी नागरिकों को देख रोक कर जांच किया। इस दौरान चारों के पास से पासपोर्ट, मोबाइल, घड़ी व सौ रुपए का आठ हजार चाइनिज डालर बरामद हुआ है। पासपोर्ट चीन से निर्गत हुआ पासपोर्ट चीन से निर्गत हुआ है। जिसमें एक का नाम हि क्यु हैनसेन, उम्र 50, हुवांग लिमिन 43, लीं युंघाई 38, डेन विजोन 41 है। चारों चीन के हुनान के निवासी बताए जा रहे है। जिनसे बार्डर पर तैनात सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियां गिरफ्तार चाइनिज नागरिकों के पाकिस्तान कनेक्शन की जांच में जुटी है। जिसे अग्रतर कार्रवाई के लिए एसएसबी ने हरैया पुलिस को सौंप दिया है। वहीं हरैया पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई कर रही है।

भागलपुर में सिरदर्द बना सोलर सिस्टम, जेनरेट नहीं हो रही बिजली

भागलपुर। भागलपुर में बिजली के लिए घर के छत पर लगाए गए सोलर पैनल सिकंदरपुर के डॉक्टर शेखर गुप्ता के लिए सिर दर्द बन गया है। सोलर पैनल से बिजली जेनरेट नहीं हो रहा है। इसकी शिकायत उन्होंने विभाग के अधिकारियों से की है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है। इसके लिए उन्हें विभाग का चक्कर लगाना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत घरों सोलर पैनल लगाया था। जिसके लगाने के लिए सब्सिडी देती है। डाक्टर ने बिजली विभाग के माध्यम से वेंडर से दो-ढाई साल पहले चार किलोवाट के चार सोलर सिस्टम अपने घर के छत पर लगवाया। लेकिन कुछ समय सामान्य रूप से काम करने के बाद सोलर सिस्टम काम करना बंद कर दिया। बिजली विभाग ने 21 महीने का एकमुश्त 37 हजार से अधिक का बिल उपभोक्ता को भेज दिया है। बिल देखकर उपभोक्ता बिजल विभाग और वेंडर से संपर्क साधना शुरू कर दिया। लेकिन लगातार संपर्क करने के बाद ना तो सोलर एजेंसी बंद पड़े सोलर सिस्टम को चालू करने आगे आ सकी है और ना ही बिजली विभाग समाधान का रास्ता तलाश रहा है। निराश उपभोक्ता ने समय से विपत्र जमा करा तो दिया है। डाक्टर शेखर गुप्ता ने बताया कि सोलर एजेंसी से संपर्क करने के बाद वे लगातार टालमटोल कर रहे हैं। समय मिलने पर जाकर देखने की बात कह कर टाल देते रहे हैं। संबंधित एजेंसी को पांच वर्षों तक सोलर सिस्टम की देखरेख किया जाना है। उन्होंने कहा कि सोलर सिस्टम लगाने के बाद वे एक बार भी इसकी देखरेख के लिए नहीं पहुंचे हैं। मामले की जानकारी कार्यपालक अभियंता से समस्या के समाधान की मांग की गई है। जिसपर उनकी ओर से आवश्यक कार्रवाई का भरोसा मिला है। इस संबंध में मोजाहिदपुर सर्किल के सहायक अभियंता जितेंद्र कुमार ने बताया कि सोलर सिस्टम का एग्रमीमेंट उपभोक्ता और वेंडर के बीच उनकी खुद की पहल से होती है।

बक्सर में गांव के नाम को लेकर विवाद

'अरियांव' को 'अरियांव शरीफ' बनाने की कोशिश पर बवाल

डुमरांव (बक्सर)। बक्सर जिले के डुमरांव प्रखंड अंतर्गत अरियांव गांव में इन दिनों गांव के नाम को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को एक हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपते हुए आरोप लगाया है कि कुछ असामाजिक तत्व एक सुनियोजित साजिश के तहत गांव के ऐतिहासिक नाम अरियांव को बदलकर अरियांव शरीफ करने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है, कि यह प्रयास न केवल उनके इतिहास और पहचान के साथ खिलवाड़ है, बल्कि इससे गांव में सांप्रदायिक तनाव फैलने की आशंका भी है। ग्रामीणों के द्वारा दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है, कि गांव में सभी जाति और धर्म के लोग वर्षों से आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ रह रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह नाम परिवर्तन एक पक्ष विशेष की ओर से मस्जिद कमेटी के माध्यम से किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गांव में द्वेष और मतभेद पैदा करना है। उन्होंने कहा कि ह्वअरियांवह्व एक प्राचीन गांव है, जिसकी स्थापना 1320 से पहले हुई थी और यह डुमरांव राज का जमींदारी गांव रहा है। ग्रामीण विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि गांव का नाम 'अरियांव' सभी राजस्व अभिलेखों, जैसे खाता-खतियान, लगान रसीद, आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी कागजों में दर्ज है। इस नाम को बदलने की किसी भी प्रकार की कोशिश से न केवल प्रशासनिक समस्याएं बढ़ेंगी, बल्कि ग्रामीणों की भावनाएं भी आहत होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी स्थान का नाम उसकी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक पहचान का प्रतीक होता है, जिसे जबरन बदलने की कोशिश सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा सकती है। ग्रामीण अजय सिंह, रमेश कुमार, मनोज सिंह, संजय सिंह, परमानंद सिंह, रघुवर दयाल उपाध्याय, रोहित गोड़, रितेश उपाध्याय, मोनू सिंह और पप्पू कमकर सहित अन्य सैकड़ों ग्रामीणों ने आवेदन देकर डीएम से आग्रह किया है, कि नाम परिवर्तन की साजिश रचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और जहां कहीं भी ह्यअरियांव शरीफह्व लिखा गया है, उसे तत्काल हटाया जाए। गांव के लोगों ने प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप करने की अपील की है, ताकि अरियांव गांव में वर्षों से चली आ रही भाईचारा और शांति बनी रहे। मामले की जांच के लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देशित किया जा रहा है। बक्सर जिले के लोग सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश करते रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

हरियाणा का हिसार एयरपोर्ट भी बंद, अब सेना के नियंत्रण में रहेगा

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ एजेंसी। केंद्र सरकार के निदेशों के बाद हिसार एयरपोर्ट को भी आगामी आदेशों तक बंद कर दिया है। एयरपोर्ट पर एंट्री पूरी तरह से बंद हो गई है। अब यह एयरपोर्ट भी भारतीय सेनाओं के कंट्रोल में है। पिछले माह 14 अप्रैल को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिसार एयरपोर्ट का उदघाटन किया था। यह हवाई अड्डा केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत विकसित किया है।भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच देशभर के दूसरे एयरपोर्ट की तरह अब हिसार हवाई अड्डे को भी घरेलू उड़ान के लिए बंद कर दिया है। हिसार में ही मिल्ट्री का बड़ा स्टेशन है। इतना ही नहीं, तीन माह पूर्व 5 से 7 फरवरी तक लगातार तीन दिन हिसार के एयरपोर्ट पर वायुसेना ने रिहर्सल की थी। सिरसा स्थित एयरफोर्स स्टेशन के पायलटों ने यहां 2 सुखोई विमानों के जरिये रिहर्सल की थी।यह रिहर्सल इसीलिए की गई थी ताकि हिसार एयरपोर्ट के रनवे की क्षमता को जांचा-परखा जा सके। अब आगामी आदेशों तक हिसार का हवाई अड्डा आर्मी के कंट्रोल में रहेगा। केंद्र की उड़ान योजना के तहत ही अबाला कैंट में भी हवाई घरेलू अड्डा विकसित किया जा रहा है। यह पहले से ही आर्मी के कंट्रोल में है। हालांकि यहां अभी तक घरेलू उड़ान सर्विस शुरू नहीं हुई हैं। अंबाला कैंट आर्मी का बड़ा बेस है।

उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करे पंजाब सरकार : सैलजा

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि पंजाब सरकार को अब तो कम से कम पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश का समान करते हुए हरियाणा के लिए 4500 यूसेक अतिरि त पानी छोडड्ड चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि बांध की सुरक्षा के नाम पर उसके संचालन में बाधा डालना स्वीकार्य नहीं है। पंजाब को केंद्र के आदेश मानने होंगे।मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि पानी पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, समझौते के अनुसार हरियाणा का उसके हिस्से का पानी मिलना चाहिए। सैलजा ने हरियाणा के किसानों को राहत देने की दिशा में केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। सैलजा ने कहा कि दो मई को हुई बैठक के आलोक में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हरियाणा को अतिरि त 4500 यूसेक कृषि जल तत्काल छोड़ा जाए। हरियाणा के किसान लंबे समय से जल संकट झेल रहे हैं। अब जब हाईकोर्ट का स्पष्ट आदेश आ चुका है तो इस पर टालमटोल करने का कोई औचित्य नहीं है। यह समय है जब केंद्र सरकार आगे आए और हरियाणा को उसका जल अधिकार दिलवाए। सैलजा ने कहा कि पानी को लेकर अभी तक पंजाब सरकार का रवैया सहयोगात्मक नहीं रहा है, वह हरियाणा को एक बूंद पानी न देने की जिद पर अड़ा हुआ है।

हेवी डयूटी लाइसेंस के लिए हाजरी लगाने की एवज में मांगी 17 हजार रिश्वत, रोडवेज स्कूल इंचार्ज सहित 2 गिरफ्तार

सिरसा/ भव्य खबर/ एजेंसी। सिरसा में रोडवेज विभाग के रोडवेज स्कूल इंचार्ज एसआई धर्मपाल व उसके सहयोगी को एंट्री क्प्शन यूरो टीम ने 17 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिर तार किया। गांव लुदेसर निवासी खुशीराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि एसआई ने बिनी हाजिरी लगाए हैवी लाइसेंस बनाने की एवज में 20 हजार रुपये की डिमांड की, जिसके बाद 17 हजार रुपये में सौदा तय हुआ।खुशी राम ने इस मामले में एंटी क्रप्शन यूरो को शिकायत दी, जिसके बाद एसीबी के डीएसपी अमित बैनीवाल की अगुवाई में टीम ने आरोपी धर्मपाल व उसके सहयोगी मनीष जोकि चारगढ़पट्टी में सीएससी सेंटर चलाता है को रिश्वत लेते हुए गिर तार किया। जानकारी देते हुए एंटी क्रप्शन यूरो के इंचार्ज डीएसपी अमित बैनीवाल ने बताया कि आरोपी एसआई धर्मपाल सिरसा में रोडवेज स्कूल का इंचार्ज है, जहां हैवी लाइसेंस बनाने के लिए बस चलाने की ट्रेनिंग दी जाती है और उसके बाद ट्रेनिंग सर्टिफिकेट दिया जाता है।इसके लिए प्रार्थी को 35 दिनों में से 30 दिनों तक की हाजरी लगानी जरूरी होती है। आरोपी एसआई धर्मपाल बिना हाजरी लगाए हैवी लाइसेंस बनाने की एवज में 20 हजार रुपये रिश्वत लेता है। इस काम के लिए उसके अपना सहयोगी मनीष रखा हुआ है, जिसे वह आठ हजार रुपये महीना व प्रति लाइसेंस दो हजार रुपये कमीशन देता था। आरोपी मनीष चारगढ़पट्टी में सीएससी सेंटर चलाता है।वहीं यह भी बात सामने आई है कि आरोपी एसआई धर्मपाल की पहुंच रोडवेज मु यालय में भी थी। उसने सिरसा से झज्जर के ट्रांसफर आदेश भी रुकवा दिए थे। आदेशों को आगामी समय तक स्टैंडिंग करवाकर वापस सिरसा डिपो में ज्वाइन कर लिया था। ऐसे में विजिलेंस सिरसा ने उसे सिरसा डिपो के ट्रेनिंग सेंटर से ही गिर तार किया है। आरोपी हैवी लाइसेंस के लिए 20 से 30 अयर्थियों का एक ग्रुप बनाकर ट्रेनी बस में एकसाथ लेकर जाया जाता है। 10 से 20 किलोमीटर तक बस चलवाई जाती है।इसके बाद हाजिरी लगती है। ऐसे में महिला अयर्थी को कहा कि आपको हर रोज हाजिरी लगाने नहीं आना पड़ेगा। ऐसे में खुशीराम ने नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है। एसीबी के इंचार्ज डीएसपी अमित बैनिवाल ने बताया कि खुशीराम की शिकायत पर विजिलेंस सिरसा ने कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि इस मामले में अन्य अयर्थियों को भी जांच में शामिल किया जाएगा।

बैठक में सात शिकायतों का समाधान, मंत्री ने अधिकारियों को लगाई फटकार

पलवल/ भव्य खबर/ एजेंसी। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बुधवार को पलवल में ग्रीवांस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक में गैरमौजूद रहे अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए। बैठक में कुल 11 शिकायतें प्रस्तुत की गईं। इनमें से सात का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष चार शिकायतों को विचाराधीन रखा गया है। मंत्री राव ने पहलगाम हमले पर भी चर्चा की।मंत्री आरती राव ने पंजाब के मु यमंत्री भगवंत मान के बयान की आलोचना की। मान ने कहा था कि पानी के लिए पंजाब में कत्ल हो सकते हैं। राव ने कहा कि साारूढ़ दल को ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पानी हर नागरिक का अधिकार है और पंजाब के पास पर्याप्त जल होने के कारण उसे हरियाणा का हिस्सा देना चाहिए।इससे पहले जिला शिकायत निवारण कमेटी की बैठक में धतीर

हरियाणा और पंजाब में जल विवाद गहराया

पानी छोड़ने पहुंचे बीबीएमबी चेयरमैन को आप वर्करों ने बनाया बंधक!

चंडीगढ़, (एजेंसी)।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद बृहस्पतिवार को पंजाब ने हरियाणा को अतिरिक्त पानी नहीं दिया। अलबत्ता हरियाणा को पानी छोड़ने के लिए भाखड़ा डैम पर पहुंचे बीबीएमबी के चेयरमैन को आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने बंधक बना लिया। भाखड़ा डैम पर पानी छोड़ने के लिए बृहस्पतिवार को कई घंटे तक घमासान मचा रहा। इसके चलते मुख्यमंत्री भगवंत मान भी भाखड़ा पर पहुंच गए।

पंजाब-हरियाणा के बीच छिड़े जल विवाद पर हाईकोर्ट ने बुधवार को फैसला दिया था कि पंजाब पुलिस अथवा पंजाब सरकार बीबीएमबी के काम में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। हाईकोर्ट ने हरियाणा को पानी दिए जाने के संबंध में दो मई का फैसला लागू करने के भी निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के फैसले के बाद बीबीएमबी के चेयरमैन मनोज त्रिपाठी बृहस्पतिवार सुबह भाखड़ा डैम पर पहुंचे।

यहां पहले से मौजूद आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने बीबीएमबी के विरुद्ध नारेबाजी शुरू कर दी। आप

कार्यकर्ताओं ने बीबीएमबी चेयरमैन को सतलुज विश्राम गृह के कमरे में बंद कर दिया। इस बीच, पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस व बरिंदर गोयल वहां पहुंच गए और धरना शुरू कर दिया। आप कार्यकर्ताओं ने भाखड़ा डैम के कंट्रोल रूम पर दोबारा ताला जड़ दिया। कई घंटे तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर भारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और बीबीएमबी चेयरमैन को पुलिस सुरक्षा के बीच वहां से निकालकर चंडीगढ़ पहुंचाया।

आदेशों में कहीं भी पानी जारी करने को नहीं कहा गया – मुख्यमंत्री मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब के महाधिवक्ता एमएस बेदी के साथ भाखड़ा डैम पर पहुंचे। यहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिस समय देश जंग के हालातों का सामाना कर रहा है उस समय भाजपा मुसीबत में मौका तलाशते हुए आज सुबह बगैर किसी सूचना के बीबीएमबी चेयरमैन व अधिकारियों को यहां भेज दिया।

उन्होंने कंट्रोल रूम पर पहुंचकर हरियाणा का गेट खोलने का प्रयास किया। मान ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेशों में कहीं भी पानी जारी करने को नहीं कहा गया है। चेयरमैन इस तरह का कोई आदेश नहीं दिखा पाए।

भगवंत मान ने कहा कि 532 किलोमीटर क्षेत्र पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। भारत-पाक तनाव के कारण यहां पुलिस बल को तैनात किया गया है। बीबीएमबी पंजाब के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसकी सुरक्षा करना पंजाब सरकार की जिम्मेदारी है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब सरकार हाईकोर्ट के फैसले पर मंथन कर रही है। बहुत जल्द इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

सात साल से लटके बाल गृह, मानवाधिकार आयोग का संज्ञान, गुरुग्राम डीसी के अलावा विभाग के अधिकारियों को जारी किया नोटिस

चंडीगढ़, (एजेंसी)।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने एकीकृत बाल देखभाल परिसरों (अवलोकन गृह, विशेष गृह, सुरक्षा स्थल एवं बाह गृह) के निर्माण में हो रही देरी पर कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में गुरुग्राम डीसी सहित विभाग के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए उन्हें तलब किया है। बाल गृहों का निर्माण सात वर्षों में भी नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए आयोग ने संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है।

आयोग के सामने पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार तीन जिलों में निर्माण कार्य प्रगति पर हैं लेकिन गुरुग्राम जिला प्रशासन सात वर्षों में बाल गृह के लिए जमीन तक चिह्नित नहीं कर पाया। महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ-साथ पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) विभाग की लापरवाही इस मामले में सामने आई है। आयोग को पेश की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि हिसार के बाल गृह के लिए 34 करोड़ 34 लाख से अधिक की राशि जारी हो चुकी है।

बाल गृह के मुख्य भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं फायर ब्रिगेड सिस्टम, बाउंड्री वाल, वर्षा जल संचयन प्रणाली आदि कार्यों के लिए 44 करोड़ 14 लाख रुपये के संशोधित अनुमान मंजूरी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को भेजा है। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद छह महीनों में यह कार्य पूरा होगा। सोनीपत में बाल गृह निर्माण के लिए 30 करोड़ 95 लाख से अधिक की राशि जारी हो चुकी है। यहां 88 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बाकी का कार्यी सतंबर तक पूरे होने की उम्मीद जताई है।

अंबाला में बाल गृह निर्माण के लिए सरकार की ओर से 59 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। यह मंजूरी मिलने के बाद विभाग ने आर्किटेक्चर विभाग को फाइनल नक्शे के लिए प्रपोजल भेजा हुआ है। नक्शा अभी तक नहीं आया है। नक्शा आने के बाद टेंडर जारी होगा। इसके बाद ही बाल गृह पर निर्माण शुरू हो पाएगा।

मानवाधिकार आयोग ने गुरुग्राम जिला प्रशासन को इसलिए फटकार लगाई है क्योंकि यहां जमीन का चयन ही नहीं हो पाया है। सात वर्षों में भी जमीन चिह्नित नहीं किए जाने को आयोग ने लापरवाही माना है। रिपोर्ट में गुरुग्राम प्रशासन ने कहा कि कादरपुर गांव की भूमि उपयुक्त नहीं मिली। इसी वजह से बाल गृह परियोजना को लेकर अभी तक भी कोई प्रस्ताव नहीं है।

आयोग के चेयरपर्सन जस्टिस (सेवानिवृत्त) ललित बत्रा तथा सदस्यों - कुलदीप जैन और दीप भाटिया को मिलाकर बने पूर्ण आयोग ने गुरुग्राम परियोजना की अत्यंत धीमी गति और भूमि चयन में हुई गंभीर लापरवाही को ÷चिंताजनक' बताया है। यह रेखांकित किया गया कि इतने वर्षों में भूमि चिह्नित न कर पाना जिला प्रशासन और विभाग की निष्क्रियता को दर्शाता है। आयोग ने डीसी को निर्देश दिए हैं कि वे जल्द उपयुक्त भूमि की पहचान करके रिपोर्ट दें।

मानवाधिकार आयोग के प्रोटोकॉल, सूचना व जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पुनीत अरोड़ा ने बताया कि इस मामले में 20 अगस्त को अगली सुनवाई होगी। सुनवाई में सभी वरिष्ठ अधिकारियों को उपस्थित होना होगा। आयोग ने महिला एवं बाल विकास विभाग निदेशक, पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) के मुख्य अभियंता तथा उपायुक्त डीसी को सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं।

हरियाणा में डॉक्टरों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के मुख्यालय छोड़ने पर रोक

चंडीगढ़, (एजेंसी)।

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हरियाणा सरकार भी हाई अलर्ट पर है। सरकार ने डॉक्टरों के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगा दी है। डॉक्टरों व स्टॉफ की छुट्टियां भी रोक दी हैं। बहुत जरूरी या इमरजेंसी की स्थिति में छुट्टी के लिए स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के महानिदेशक से परमिशन लेनी होगी।

गत दिवस मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा मंत्रिमंडल की आपात बैठक भी हो चुकी है।

इस बैठक में सुरक्षा प्रबंधों पर भी चर्चा हुई और आगे की रणनीति भी तय की गई। सभी जिलों के डीसी के अलावा सभी रेंज के एडीजीपी/आईजी, पुलिस आयुक्तों व पुलिस अधीक्षकों को हिदायतें जारी की हैं। बुधवार को राज्य के सभी 22 जिलों में डिफेंस मॉक ड्रिल भी की जा चुकी है।

बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के महानिदेशक की ओर से सभी जिलों के सीएमओ (सिविल सर्जन) तथा प्रधान चिकित्सा अधिकारियों को लिखित में आदेश जारी करके डॉक्टरों व पैरा-मेडिकल स्टॉफ को छुट्टियां

मंजूर नहीं करने के आदेश दिए हैं। साथ ही, सभी अधिकारियों को अपना मुख्यालय मेनटेन करने को कहा है। बिना मंजूरी के स्टेशन छोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी। आपात स्थिति में अवकाश अनिवार्य है तो इसके लिए विभाग के महानिदेशक से मंजूरी लेनी होगी।

अस्पतालों में किए प्रबंध

सरकार ने आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी अस्पतालों में पुख्ता प्रबंध करने को कहा है। मॉक ड्रिल के दौरान भी अस्पतालों के साथ-साथ फायर ब्रिगेड सिस्टम को जांचा जा चुका है। मॉक ड्रिल के दौरान कुछ शहरों में दिक्कतें भी सामने आईं। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने इन्हें तुरंत दुरुस्त करने को कहा है। अस्पतालों में जिस तरह से कोविड-19 के दौरान तैयारियां की गई थी, उसी तरह अब भी सभी प्रबंध करने को कहा है।

खुफिया एजेंसियां अलर्ट पर

हरियाणा की खुफिया एजेंसियां अलर्ट पर हैं। संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। साथ ही, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से भी संपर्क साधा हुआ है। हर छोटे-बड़े इनपुट को गंभीरता से लिया जा रहा है। खुफिया एजेंसियों के लोग प्रदेश में भीड़भाड़ वाली जगहों पर विशेष नजर बनाए हुए हैं। इतना ही नहीं, कई सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस सुरक्षा भी बढ़ाई गई है।

पुलिस बढ़ाएगी गश्त

हरियाणा पुलिस मुख्यालय से भी सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को गश्त बढ़ाने को कहा गया है। पुलिस द्वारा संदिग्ध लोगों व असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इंटर-स्टेट बार्डर पर भी सुरक्षा बढ़ाने को कहा गया है। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर पूरी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं।

अभिषेक मलिक 73.8 फीसदी अंक हासिल कर बने कॉलेज टॉपर, राहुल पाल दूसरे व चिराग रहे तीसरे स्थान पर

सोनीपत। पूर्ण मूर्ति कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कामी रोड के विद्यार्थियों ने पंडित बीडी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक की ओर से आयोजित बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी.फार्मा.) छठे सेमेस्टर की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है।

यूनिवर्सिटी की तरफ से परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद कैंपस में खुशी की लहर है। पूर्ण मूर्ति कॉलेज ऑफ फार्मेसी के विद्यार्थी अभिषेक मलिक 73.8 फीसदी अंक पाकर अपने कॉलेज में पहले स्थान पर रहे। उसने कुल 750 में 554 अंक हासिल किए। वहीं राहुल पाल ने 73.4 फीसदी अंक लेकर दूसरा व चिराग ने 72.8 फीसदी पाकर तीसरा स्थान पाया। कैंपस में इन विद्यार्थियों का जोरदार स्वागत किया गया।

पूर्ण मूर्ति कैंपस के चेयरमैन डॉ.विजयपाल नैन, सचिव गौतम नैन, कोषाध्यक्ष भोपाल सिंह, प्रबंधक निदेशक कपिल भाटिया, एमडी इंजी.संघदीप शाक्य, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डा.स्वीटी, डायरेक्टर ट्रेनिंग नवदीप मेहता, कैंपस डायरेक्टर कुलदीप, रजिस्ट्रार कंवलजीत सिंह संधू, डीन अकादमिक संदीप कुमार, लॉ कॉलेज के डायरेक्टर डा.टीसी राणा, फार्मेसी कॉलेज की डायरेक्टर डा.सुनीता व प्राध्यापिका सुमिता ने सेमेस्टर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ.विजयपाल नैन ने कहा कि फार्मेसी के विद्यार्थियों ने अपने प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत की है। उन्होंने छठे सेमेस्टर की परीक्षा में छात्रों की शानदार सफलता के लिए उनके प्राध्यापकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि बैचलर ऑफ फार्मेसी एक चार वर्षीय स्नातक डिग्री कोर्स है जो दवाओं, उनकी संरचना, प्रभावों और उपयोगों के अध्ययन को कवर करता है। उन्होंने कहा कि फार्मेसी की डिग्री हासिल करते ही छात्रों के लिए करियर के बेहतर अवसर उपलब्ध हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि देश व विदेशों में फार्मासिस्ट और फार्मेसी पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग का आकार मौजूदा करीब 65 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 130 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। बैचलर ऑफ फार्मेसी जैसे कोर्स करने से विद्यार्थियों के लिए घरेलू और वैश्विक बाजारों में बहुत सारे अवसर और संभावनाएं खुल सकती हैं। फार्मेसी और हेल्थकेयर सेक्टर में वे अपनी रुचि और पसंद के आधार पर फार्मासिस्ट, क्लिनिकल फार्मासिस्ट, रिसर्च फार्मासिस्ट, रेगुलेटरी फार्मासिस्ट, हॉस्पिटल फार्मासिस्ट आदि के रूप में काम कर सकते हैं।

बीस लाख की रंगदारी मांगने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

पलवल। जिले में मिट्टी डालने वाली कंपनी के ठेकेदार से बीस लाख रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में गदपुरी पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ठेकेदार और उनके ड्राइवरों के साथ मारपीट की और हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।गदपुरी थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने गुरूवार को जानकारी देते हुए बताया कि गुरुग्राम निवासी पीड़ित ठेकेदार की कंपनी मिट्टी डालने का काम करती है। पांच मई की रात को ठेकेदार अपनी गाड़ियों में मिट्टी भरकर धतीर गांव स्थित कंपनी जा रहे थे। तभी दो गाड़ियों में सवार 10-12 अज्ञात युवकों ने कंपनी के बाहर उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने ठेकेदार और ड्राइवरों के साथ मारपीट की और हथियार दिखाकर 20 लाख की रंगदारी मांगी। पैसे न देने पर जान से मारने और मिट्टी डालने का काम रोकने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि बदमाश आपस में होराम, दिनेश, कपिल, बिड्ढ, केडी, गौरव और सौरव जैसे नाम ले रहे थे।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए होराम, दीपक, दिनेश, योगेश, रवि और अंकित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी होराम का पिता सतबीर धतीर गांव का निवासी है और वह भी मिट्टी डालने वाली कंपनी में काम करता है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गदपुरी पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि बाकी फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शहीद दिनेश शर्मा का पार्थिव शरीर पहुंचा पलवल, पिता को बेटे की शहादत पर गर्व

पलवल। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बुधवार को शहीद हुए पलवल जिले के जवान लांस नायक दिनेश शर्मा का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को पलवल पहुंच गया। पलवल के केएमपी-केजीपी चौक पर सेना का गाडी में पहुंचे शहीद के पार्थिव शरीर का सम्मान लोगों ने शहीद दिनेश अमर रहे- पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से आसमान को गुंजायमान करके किया।यहां से शहीद दिनेश का पार्थिव शरीर एक लंबे जलूस के साथ उसके पैत्रिक गांव नंगला मोहदनपुर-गुलाबाद ले जाया जा रहा है। इस यात्रा में सैंकडों की संख्या में तिरंगा लगे वाहन शामिल हैं। वहीं शहीद की इस यात्रा में सेना के वाहन पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा लोक सेवा आयोग पूर्व सदस्य डॉ. हरेन्द्र पाल राणा सवार हैं जबकि इसके अलावा कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती सविता चौधरी सहित विभिन्न पार्टियों के नेता भी मुख्यरूप से शामिल रहे।पैत्रिक गांव पहुंचने पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ लांस नायक दिनेश का अंतिम संस्कार किया जाएगा। वहीं हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम, विधायक हरेन्द्र रामरतन व पलवल के पूर्व विधायक एवं मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव रहे दीपक मंगला ने भी शहीद को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पलवल सहित समूचे देश को दिनेश की बहादुरी पर गर्व हैं।बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान बुधवार सुबह से ही पुंछ के कई इलाकों में फायरिंग कर रहा था। पाकिस्तान की इसी नापाक हरकत का जवाब देने के लिए दिनेश और उनके 4 साथियों से मोर्चा संभाला। वो पाकिस्तानी सैनिकों को गोलियों का जवाब गोलियों से दे रहे थे। इसी दौरान दिनेश शर्मा और उनके 4 साथी घायल हो गए।सभी घायल सैनिकों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां दिनेश को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। दिनेश शर्मा के 2 सगे भाई भी सेना में हैं। इनमें से एक जम्मू में ही तैनात है। वहीं शहीद के पिता दयाराम ने अपने पुत्र की शहादत पर गर्व महशूश करते हुए कहा कि हमारा एक बेटा शहीद हुआ है। भारत माता के लिए दो बेटे और हैं।शहीद लांस नायक दिनेश शर्मा के पिता दयाराम ने बताया कि दिनेश 2014 में आर्मी में भर्ती हुए थे। पिछले 11 सालों में दिनेश की पोस्टिंग देश के कई राज्यों में रही। इन दिनों वह जम्मू के पुंछ में थे। हाल ही में उनकी लांस नायक के पद पर प्रमोशन हुई थी। दिनेश के पिता कहते हैं- मेरे दो और बेटे सेना में ही हैं। एक बेटा तो ढाई साल पहले ही सेना में भर्ती हुआ है। उसकी पोस्टिंग पहले पंजाब के जालंधर में थी, लेकिन अब उसकी पोस्टिंग भी जम्मू में हो गई है।

साइबर ठगों को खाते उपलब्ध करवाने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। टेलीग्राम टास्क के नाम पर धोखाधड़ी के एक मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि सुभाष कॉलोनी, बल्लबगढ़ निवासी एक महिला ने साइबर थाना बल्लबगढ में शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि उसके पास व्हाट्सएप पर घर बैठे पैसे कमाने के लिए मैसेज आया। जिस पर महिला ने काम करने की इच्छा जताई, फिर ठगों द्वारा महिला को टेलिग्राम ग्रुप में जोडा गया। उसको बताया गया कि होटलों की रेटिंग करनी है जिसके बदले उसको पैसे दिए जायेगें। पहले टास्क के बदले 203 रूपये उसके खाता में डाले गये और आगे के टास्क के लिए उससे पैसे की मांग की। लालच में आकर महिला ने टास्क के लिए ठगों के पास अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल छह लाख 82 हजार रुपए भेजे। जब शिकायतकर्ता ने पैसे देने के लिए बोला तो ठगों द्वारा 50 हजार रुपए की और मांग की गई, जिसके लिए महिला ने मना कर दिया। जिसकी शिकायत पर थाना साइबर बल्लबगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना बल्लबगढ की टीम ने आरोपी विकास निवासी गाँव साहरणपुरा जिला फलोदी, रमेश निवासी गाँव हिम्मतनगर।

संक्षिप्त डायरी

सीमा पर 4 चीनी नागरिक गिरफ्तार

चंपारण/ भव्य खबर/ एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पूर्वी चंपारण जिले में रक्सौल सीमा पर चार चीनी नागरिकों को बिना वैध वीजा के अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिर तार किया गया। गिरफ्तारियां सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने मैत्री ब्रिज पर कीं। गिर तार किए गए व्यक्तियों की पहचान डेन विजिट्टन, लिन युंगघुई, हाय यूं हेंसन और हुआग लिविंग के रूप में की गई है, जो चीन के हुनान प्रांत के निवासी हैं। वे दो नेपाली काठमांडू में पिछले एक सप्ताह से चीनी नागरिक थे और बिना वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। एसएसबी ने उनके पास से 8,000 चीनी युआन, उनके पासपोर्ट, पांच मोबाइल फोन और एक बैग जत किया। उनकी गिरफ्तार के बाद एसएसबी ने खुफिया एजेंसियों को सूचित किया और चारों चीनी नागरिकों को आगे की जांच के लिए स्थानीय हरैया पुलिस को सौंप दिया गया।

तेलंगाना में न सलियों ने किया आईईडी लास्ट, तीन पुलिसकर्मी शहीद

मुलुगु / भव्य खबर/ एजेंसी। तेलंगाना के मुलुगु जिले में न सलियों ने आईईडी लास्ट किया है, जिसमें तीन पुलिसकर्मियों के शहीद होने की खबर सामने आ रही है, जिस इलाके में यह लास्ट हुआ है, वह छीसगढ़ के सुकमा बॉर्डर से लगा है। न सलियों ने पुलिस को निशाना बनाकर विस्फोट किया, जिसमें तेलंगाना के तीन पुलिसकर्मी शहीद हो गए। यह घटना तब घटी जब पुलिस रूटीम कॉबिंग कर रही थी, इसी दौरान न सलियों ने लास्ट कर दिया। बता दें इससे पहले छीसगढ़-तेलंगाना सीमा के बीजापुर जिले के जंगलों में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ न सलियों की मुठभेड़ हुई। इस दौरान जवानों ने 22 से ज्यादा न सलियों को ढेर कर दिया था। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने मीडिया को दी थी। अधिकारी ने बताया था कि अंतरराज्यीय सीमा पर करेगुंट्टा पहाडिड्डों के जंगल में बुधवार सुबह गोलीबारी हुई थी। इस कार्रवाई में अब तक 22 से ज्यादा न सली मारे गए हैं। न सलियों के खिलाफ अभियान जारी है। यह कार्रवाई बस्तर क्षेत्र में शुरू की गई सबसे बड़ी न सल विरोधी कार्रवाइयों में से एक है। इस ऑपरेशन में जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स, राज्य पुलिस की सभी इकाइयों, सीआरपीएफ और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा समेत कई इकाइयों के करीब 24 हजार सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

आईएमडी के अनुसार आने वाले दिनों में कई राज्यों में मौसम अस्थिर बना रहेगा

नई दिल्ली / भव्य खबर/ एजेंसी। देश के कई हिस्सों में मौसम ने करवट ले ली है। जहां एक ओर पहाड़ी राज्यों में बारिश और आंधी-तूफान का खतरा बना रहा है, वहीं मैदानी इलाकों में गर्मी अपना प्रचंड रुप दिखा रही हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार आने वाले दिनों में कई राज्यों में मौसम अस्थिर बना रहेगा। राजधानी दिल्ली में इन दिनों मौसम सुहाना बना हुआ है। तापमान 24 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हो रहा है, जो सामान्य से थोड़ा कम है। 9 मई को बारिश की संभावना है जिससे लोगों को और राहत मिल सकती है। वहीं लखनऊ सहित राज्य के कई जिलों में दिन के समय भीषण गर्मी महसूस की जा रही है। आने वाले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है, हालांकि बाद में इसमें गिरावट की संभावना है। राज्य में आंधी और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की उमीद है। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम सुहाना बना हुआ है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार अगले चार दिन 22 जिलों में आंधी और बारिश की संभावना है। अजमेर, उदयपुर, कोटा सहित अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू कश्मीर में लगातार हो रही बारिश के कारण रामबन जिले में भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। 9 से 12 मई तक येलो अलर्ट जारी किया गया है। 11 मई तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है, जिससे संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन की आशंका है।

दुनिया भर में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा बढ़ी-भारत में 30 प्रतिशत लड़कियां और 13 प्रतिशत लडके यौन शोषण का शिकार

नई दिल्ली / भव्य खबर/ एजेंसी। भारत में 2023 में 30 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियां और 13 प्रतिशत लडके 18 साल की उम्र से पहले यौन हिंसा का शिकार हुए। द लैंसेट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 से 2023 के बीच की गई एक स्टडी में पाया गया कि दुनिया के 200 से ज्यादा देशों में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं।

इसमें यह सामने आया कि लड़कियों के साथ सबसे ज्यादा यौन हिंसा साउथ एशिया में होती है। जैसे बांग्लादेश में 9.3 प्रतिशत

लड़कियों के प्रति हिंसा होती है, जबकि भारत में यह आंकड़ा 30.8 प्रतिशत तक है। दुनिया भर में औसतन हर 5 में से 1 लडकी और हर 7 में से 1 लडका 18 साल की उम्र से पहले यौन हिंसा का शिकार होता है। यौन हिंसा से मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के हेल्थ मैट्रि स और इवैल्युएशन इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स ने कहा कि सबसहारा अफ्रीका में 18 साल से कम उम्र के लडकों के साथ यौन हिंसा के मामले सबसे ज्यादा हैं। यह दर जिबावे में लगभग 8 प्रतिशत और कोट डी आइवर में 28 प्रतिशत तक पाई गई।

रिपोर्ट में लिखा गया कि बच्चों के साथ यौन हिंसा एक बहुत गंभीर समस्या है। यह न सिर्फ उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। बच्चों के मानसिक तनाव, डर और चिंता को बढ़ा सकती हैं, और इसका असर उनके पूरे जीवन पर पड़ सकता है। यौन हिंसा रोकने के लिए जागरूकता जरूरी रिसर्चर्स ने कहा कि बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा को रोकने और इसके बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए सही और सटीक जानकारी बहुत जरूरी है। अभी बहुत से देशों के पास सही और पूरे आंकड़े नहीं हैं और इसका अनुमान लगाना काफी मुश्किल है। यह स्टडी, जो दुनिया भर में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा का पहला बड़ा अनुमान है, पलिकली उपलध जानकारी का विश्लेषण करके किया गया है। स्टडी में पाया गया, 2023 में 18 साल से कम उम्र में यौन हिंसा का शिकार बनने वाली महिलाओं की संख्या लगभग 18.9 प्रतिशत थी,जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 14.8 प्रतिशत था।

परमाणु हमले की धमकी ना दें, भारत ने किया पलटवार दुनिया के नक्शें से मिट जाएगा जिन्ना का देश: ढिल्लों

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में पूर्ण पैमाने पर युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान तिलमिलाया हुआ है, और बार बार परमाणु हमले की धमकी दे रहे हैं। वहीं पाकिस्तान की धमकी पर भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने कभी भारत के खिलाफ परमाणु विकल्प का प्रयोग किया, तब वहां एक देश के रूप में अस्तित्वहीन हो जाएगा।

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों (सेवानिवृत्त) ने कहा कि जहां तक परमाणु नीति की बात है, तब पाकिस्तान के पास कोई नीति नहीं है। भारत ने पहले इस्तेमाल न करने की घोषित नीति अपनाई है और वह किसी गैर-परमाणु देश के खिलाफ परमाणु विकल्प का इस्तेमाल नहीं करेगा। लेकिन परमाणु हमला होने की स्थिति में, हम अस्वीकार्य क्षति के साथ बड़े पैमाने पर जवाबी हमला कर सकते है। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों (सेवानिवृत्त) की टिप्पणी तब आई है जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ सहित पाकिस्तान के नेताओं ने दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध छिड़ने की संभावना का संकेत दिया है। ढिल्लों के मुताबिक भारत, जो आकार में पाकिस्तान से कहीं ज्यादा बड़ा है, और परमाणु हमले को झेलने की क्षमता है, लेकिन जब भारत जवाबी हमला करेगा, तब पाकिस्तान पूरी तरह नष्ट हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि उनका उत्तर-दक्षिण खैबर पख्तूनख्वा से शुरू होकर पीओके तक, सिंध या ग्वादर तक जाता है। वहीं, हमारा कश्मीर से कन्याकुमारी तक शुरू होता है। उनके (पाकिस्तान के) पास हमारे हमलों को झेलने के लिए रणनीतिक गहराई नहीं है। उनके सभी प्रमुख आबादी वाले 6-7 शहर, इस छोटी सी जमीन की पट्टी के भीतर हैं। हमारे शहर जयपुर, अहमदाबाद से शुरू होकर कोलकाता और गुवाहाटी से आगे तक जाते हैं। हमारी गहराई इतनी ज्यादा है कि जब पाकिस्तान हमला करेगा उस झेल लिया जाएगा। बेशक नुकसान होगा। लेकिन अगर हम बड़े पैमाने पर हमला करके और अस्वीकार्य क्षति करके वापस लौटते हैं, तब पाकिस्तान का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंचने के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि स्थिति परमाणु युद्ध में बदल सकती है।

लालू के लाल बोले- मैंने पायलट की ट्रेनिंग ली है, देश की सेवा को तैयार

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के भीतर देशभक्ति का जुनून बहुत तेजी के साथ जाग उठा है। उन्होंने बिना किसी देरी के एक फोटो शेयर करते हुए लिखा कि मैंने पायलट की ट्रेनिंग ली है। यदि देश की सेवा में काम आ जाऊं तो मेरा सौभाग्य होगा। भारत ने पाकिस्तान के अंदर घुस कर पहलगाम हमले का बदला लिया है। भारतीय सेना ने एयर स्ट्राइक आतंकवादियों के ठिकानों को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। भारत की इस कार्रवाई के बाद से देशवासियों का जोश हाई है। अब राष्ट्रीय जनता दल के नेता और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने कहा है कि उन्होंने पायलट की ट्रेनिंग ली है और अगर यह ट्रेनिंग देशसेवा में काम आ जाए तो मैं खुद को भाग्यशाली समझूंगा। अपनी तस्वीर शेयर करते हुए तेज प्रताप यादव ने एक्स पर लिखा, 'पायलट की ट्रेनिंग अगर देश के काम आ सकती है तो,मैं तेज प्रताप यादव हर समय देश की सेवा के लिए तत्पर हूँ। आपके जानकारी के लिए बता दू की मैने भी पायलट की ट्रेनिंग ले रखी है और देश के लिए मेरी जान भी चली जाए तो अपने आपको भाग्यशाली समझूंगा। जय हिंद..'

बता दें कि भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। सैन्य अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत, भारतीय सेना ने मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के मरकज तैयबा, बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के मरकज सुभान अल्लाह, सियालकोट में हिजबुल मुजाहिदीन के महमूना जोया फैसिलिटी और बरनाला में मरकज अहले हदीस में लश्कर के अड्डे और मुजफ्फराबाद के शावई नाला में उसके शिविर को निशाना बनाया।

ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर बिहार के 12 परिवारों ने अपने नवजात बच्चे का नाम सिंदूर रखा,कटिहार में पैदा हुई एक बच्ची का नाम सिंदूरी रखा

मुजफ्फरपुर । ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के बाद बिहार के 12 परिवारों ने अपने नवजात बच्चे का नाम सिंदूर रखा है। वहीं, कटिहार में एक परिवार ने अपनी बच्ची का नाम सिंदूरी रख दिया है। दरअसल, 7 मई की रात को एयर स्ट्राइक के दौरान 13 बच्चों का जन्म हुआ है, जिसके बाद इन परिवारों ने ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर बच्चों का नामकरण किया। जिस दिन सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई की, उसी दिन मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पातल में 12 बच्चों ने जन्म लिया। वहीं, कटिहार के एक नर्सिंग होम में भी एक बच्ची ने जन्म लिया। कुर्सेला निवासी संतोष मंडल और राखी कुमारी ने अपनी नवजात बच्ची का नाम सिंदूरी रखा है। सिंदूरी के परिजनों का कहना है, पाकिस्तान पर हमले और उसी दिन बेटी के जन्म से वे सभी बेहद खुश हैं। यह कदम देशभक्ति की भावना को दिखाता है।

भारत किसी को छेड़ता नहीं, अगर कोई छेड़े तो उसे छोड़ता नहीं: केंद्रीय मंत्री शिवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत किसी को नहीं छेड़ता है, अगर कोई हमें छेड़े तो उसे हम छोड़ते नहीं हैं। चौहान ने कहा कि यह अद्भुत देश है। एक साथ कई मोर्चों पर काम चल रहा है। भारत अब दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने नई दिल्ली स्थित पूसा में आयोजित कृषि आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के आतंकवाद विरोधी अभियान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ आईपीएल भी चल रहा है, तो दूसरी तरफ आतंकवादियों के सफाए का महाअभियान। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा यही संकल्प है कि आतंकवादियों को जड़ से मिटाकर ही सांस लेंगे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि विकास कोई साधारण कार्य नहीं है, यह वास्तव में असाधारण है। मैं इस क्षेत्र में परियोजनाओं और विकास के बारे में अभी विस्तार से नहीं बताऊंगा, लेकिन मैं इतना कहूंगा कि हमारा देश, भारत, पांच हजार सालों से ज्यादा पुराने इतिहास वाला एक प्राचीन और महान राष्ट्र है। मंगलवार देर रात को भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया है। पाकिस्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन के प्रमुख जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बताया कि इन हवाई हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई और 46 घायल हुए हैं। ये हमले पीओके और पंजाब प्रांत के उन इलाकों में हुए जहां भारत के मुताबिक आतंकियों के ठिकाने थे।

इस स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान में रेड अलर्ट जारी किया है। सभी सरकारी अस्पतालों को तैयार रहने को कहा है, देश की हवाई सीमाएं 24 से 36 घंटे के लिए बंद कर दी गई है, इस्लामाबाद और पंजाब के सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया है।

रक्षामंत्री 11 को करेंगे सुपरसोनिक मिसाइल 'ब्रह्मोस' की फैक्ट्री का उद्घाटन

लखनऊ (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच भारत अपनी सामरिक क्षमता को और धार देने जा रहा है। दुनिया की सबसे विध्वंसक मानी जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' का निर्माण अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर 11 मई को ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण यूनिट का उद्घाटन किया जायेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा स्थापित की जा रही यह यूनिट 300 करोड़ रुपए के निवेश से तैयार हुई है और भारत को आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि दिलाने वाली है।

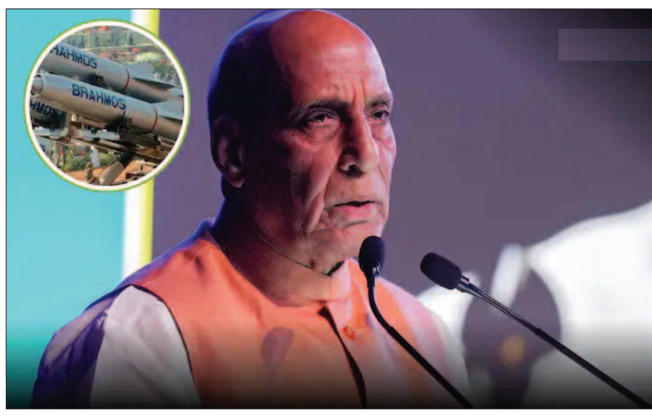

इस संदर्भ में गुरुवार को प्राप्त विवरण के मुताबिकयोगी सरकार ने दिसंबर 2021 में ब्रह्मोस प्रोजेक्ट के लिए लखनऊ में 80 हेक्टेयर भूमि निःशुल्क आवंटित की थी। सिर्फ 3.5 वर्षों में इस परियोजना को निर्माण से उत्पादन की अवस्था तक लाना प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना का संचालन कर रही यूपीडा के एसीईओ श्रीहरि प्रताप शाही ने बताया कि योगी की मंशा के अनुरूप, प्रदेश सरकार की ओर से ब्रह्मोस मिसाइल की मैन्युफैक्चरिंग के लिए भूमि निशुल्क उपलब्ध कराई गई है और यूनिट के विकास पर लगातार नजर रखी गई है। यही वजह है कि, मात्र साढ़े तीन वर्ष में यह यूनिट बनकर उत्पादन के लिए तैयार है। लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस के साथ ही अन्य डिफेंस इक्विपमेंट्स बनाए जाने की तैयारी है, जो डिफेंस सेक्टर में लखनऊ और उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान देने का काम करेगा। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश में ब्रह्मोस जैसी रणनीतिक मिसाइल का बनना बेहद खास माना जा रहा है। यह कदम भारत की सैन्य ताकत को और मजबूत करेगा और उत्तर प्रदेश को देश की रक्षा में एक खास भूमिका निभाने वाला राज्य बना देगा। इस प्लांट के शुरू होने से उत्तर प्रदेश सीधे तौर पर देश की सुरक्षा और विकास में योगदान देगा। यह एक बड़ी और जरूरी परियोजना है जिसमें उत्तर प्रदेश की बड़ी भागीदारी होगी। ब्रह्मोस मिसाइल की यह यूनिट राज्य की पहली अत्याधुनिक और हाई-टेक यूनिट होगी। इससे उत्तर प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर में एयरोस्पेस से जुड़ी इकाइयों और उद्योगों का विकास होगा। साथ ही, राज्य में नई और आधुनिक निर्माण तकनीकें भी शुरू हो सकेंगी।

उल्लेखनीय है कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी संघ की सरकार के 'जेएससी' 'एमआईसी' एनपीओ मशीनोस्त्रोयेनिया (एनपीओएम) के संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। 'ब्रह्मोस' नाम दो महान राष्ट्रों के प्रतीकस्वरूप रखा गया है, जो दो महान नदियों ब्रह्मपुत्र की प्रचंडता और मॉस्कवा की शांति को दर्शाता है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना भारत की ओर से 50.5 फीसदी और रूस की ओर से 49.5 फीसदी हिस्सेदारी के साथ की गई थी। यह अपने प्रकार का पहला रक्षा संयुक्त उद्यम (जेवी) है जिसे भारत सरकार ने किसी विदेशी सरकार के साथ मिलकर स्थापित किया है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल के डिजाइन, विकास, उत्पादन और विपणन (मार्केटिंग) की जिम्मेदारी निभाता है, जिसमें भारतीय और रूसी उद्योगों का सक्रिय योगदान होता है। ब्रह्मोस यूनिट के साथ-साथ, डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत योगी सरकार ने 12 अन्य कंपनियों को कुल 117.35 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। इनमें एरोलॉय टेक्नोलॉजी को 20 हेक्टेयर भूमि दी गई है, जिसका प्रथम चरण में 320 करोड़ का निवेश पूर्ण हो चुका है। इस कंपनी के उत्पादों का उपयोग स्पेस मिशन (जैसे चंद्रयान) और लड़ाकू विमानों में हो रहा है। इन परियोजनाओं के जरिए लगभग 3,000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे और लखनऊ गोला-बारूद, मिसाइल सिस्टम, रक्षा पैकेजिंग, ड्रोन और छोटे हथियारों के उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। इससे न केवल उत्तर प्रदेश की औद्योगिक छवि को वैश्विक पहचान मिलेगी, बल्कि भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को भी मजबूती मिलेगी।

उदित राज ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस के नेता उदित राज ने भारतीय सेना द्वारा बुधवार और गुरुवार की रात पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर सफल एयर स्ट्राइक के बाद से जारी तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पाक पीएम शहबाज शरीफ ने अपने संसद में कहा कि पाक सेना ने भारत के तीन राफेल जेट मार गिराए। उनके इस बयान से साफ है कि पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई से सबक लेने को तैयार नहीं है।

दिल्ली कांग्रेस के नेता उदित राज ने भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों को निशाना बनाकर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पूछे जाने पर कहा, बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि सिंदूर एक खास धर्म से जुड़ा है। अगर कोई दूसरा नाम चुना जाता तो बेहतर होता। हालांकि, यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है। उदित राज ने आगे कहा, भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम। पीओके में 9 स्थान पर बमबारी के बावजूद पाकिस्तान ने सबक नहीं सीखा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वहां की संसद में कहा भारत के पाकिस्तानी सेना ने भारत के तीन राफेल जेट मार गिराए। जम्मू कश्मीर के पूंछ में गुरुद्वारा पर हमला किया और 15 लोग मारे गए। यानी अब लाहौर पर चढ़ाई करना ही होगा। भारतीय सेना एलओसी पर पाकिस्तानी गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है, जिसके परिणामस्वरूप दुश्मन पक्ष के कई लोग हताहत हुए हैं। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की कई चौकियों को ध्वस्त कर दिया है। दोनों देशों के बीच 25 फरवरी 2021 को युद्धविराम समझौते के नवीनीकरण के बाद यह पहली बार है कि इतनी भारी गोलाबारी देखी गई है। दरअसल, सीमापार से भारी गोलाबारी भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर सफल मिसाइल हमला दो दिन पहले किया था। भारतीय सेना ने यह हमला 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए किया गया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। फिलहाल, भारतीय सेना की कार्रवाई का असर यह हुआ कि दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ज्यादा बढ़ गया है।

मालेगांव ब्लास्ट का फैसला 31 जुलाई तक टला

एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट से मांगा समय

भोपाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट मामले में फैसला टल गया है। गुरुवार को एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट से दोषियों को सजा सुनाने के लिए 31 जुलाई तक का समय मांगा है। माना जा रहा है कि अब एनआईए कोर्ट 31 जुलाई को फैसला सुनाएगा। इससे पहले गुरुवार सुबह मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह समेत सभी आरोपी और पीड़ित कोर्ट पहुंचे। केस की मुख्य आरोपी भोपाल की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर हैं। साध्वी के अलावा लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत कुल 12 आरोपी हैं, जिन पर आतंकी साजिश, हत्या, धार्मिक उन्माद फैलाने के आरोप हैं।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में ब्लास्ट हुआ था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी और 101 घायल हुए थे। शुरुआत में मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। साल 2011 में केस नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंप दिया गया। एनआईए ने प्रज्ञा सिंह समेत केस के आरोपियों को क्लीनचिट दे दी थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। अप्रैल 2025 में एनआईए ने यू-टर्न लेते हुए मुंबई की स्पेशल कोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा कि आरोपियों को बेकसूर मानने की बात गलत है, उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

साध्वी ने कहा- सत्यमेव जयते पर मेरा विश्वास

कोर्ट के बाहर प्रज्ञा ठाकुर ने कहा- आज डिसीजन होना था, ऐसा नहीं है। जज साहब ने तारीख दी थी। अगली तारीख में डिसीजन होगा, ये तय है। जज साहब ने कहा कि इसमें एक लाख से अधिक पेज हैं। बड़ा केस है। इसमें समय लगता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सबको न्याय मिले।

अगली तारीख 31 जुलाई दी है। इसमें सभी को उपस्थित होना चाहिए। ठाकुर ने कहा- सत्यमेव जयते पर मेरा पूर्ण विश्वास है। जिस व्यक्ति पर आरोप लगता है या तो वो जानता है या ईश्वर जानता है। सरकारी पक्ष की ओर से कैपिटल पनिसमेंट की मांग के सवाल पर प्रज्ञा ने कहा- एटीएस चाहती तो मेरी मुंडी उसी दिन मरोड़ देती। उनकी इतनी दुश्मनी है। पता नहीं क्यों है? मैं विधर्मियों के लिए उनकी दुश्मन हूं और हमेशा रहूंगी। जो देशविरोधी हैं...देश के गद्दार हैं, उनकी मैं दुश्मन हूं।

पीएम मोदी के फैन हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सेना की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर आजकल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने का कोई मौका छोड़ने नहीं हैं। उन्होंने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर की लेकर भारतीय सेना की जमकर तारीफ की और पीएम नरेंद्र मोदी की भी सराहना की। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से न्याय का वादा किया था। सरकार ने सेनाओं को फ्रीहैंड दिया और 15 दिन के अंदर ही भारतीय सेना ने एयरस्ट्राइक कर दी। राजनीति में धुर विरोधी शशि थरूर ने भी भारतीय सेना और सरकार दोनों की तारीफ की है। पाकिस्तान और पीओके में भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक को लेकर उन्होंने कहा कि यह बहुत ही सधा हुआ और तैयारी के साथ हुई कार्रवाई है।

यूएन में भारत के डिप्लोमैट रह चुके शशि थरूर ने कहा कि पहलगाम में आतंकी साजिश रचने वाले पाकिस्तान को भारत ने साफ संदेश दे दिया है। उन्होंने कहा कि हमने आत्मरक्षा में एक्शन लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की सेना पर उन्हें गर्व है। शशि थरूर ने कहा कि वाकई में सेना ने बहुत ही अच्छा और बड़ा काम किया है। भारतीय सेना ने कम से कम 9 आतंकी लॉन्च पैड्स और आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया है। इसमें आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप और मुख्यालय तक शामिल हैं। लश्कर का अड्डा मुरादके कैंप, लश्कर के अब्बास कैंप, बरनाला कैंप, सरजल आतंकी कैंप, महमूना जोया कैंप बुरी तरह तबाह हो गया है। शशि थरूर ने कहा कि भारतीय सेना की सूझबूझ भी इस एयरस्ट्राइक में देखी जा सकती है। सेना ने केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया। वहीं सेना और सरकार की इमारतों पर कोई हमला नहीं हुआ। इससे आम नागरियों की क्षति को भी कम किया जा सका है। थरूर ने कहा कि इस एक्शन का मतलब यह नहीं है कि लंबा संघर्ष शुरू हो जाए। इसका मकसद इतना है कि पाकिस्तान को समझ में आना चाहिए कि उसे अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकियों के लिए किए जाने से रोका जाएगा।

शशि थरूर ने कहा कि पाकिस्तान से निकट भविष्य में भी बातचीत संभव नहीं है। वहीं पाकिस्तान के पास भारत के सामने टिकने के लिए चार दिन की भी औकात नहीं है। ऐसे में उसे भी समझदारी दिखानी चाहिए और भारत के खिलाफ जहर उगलना बंद कर देना चाहिए। पहलगाम में खुफिया एजेंसियों पर नाकामी के आरोपों को लेकर उन्होंने कहा कि अभी इसपर बात करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, हम सबसे पहले अपने देश के लिए जिम्मेदार हैं।

नोरा ने बिलबोर्ड फीचर के साथ

रचा इतिहास

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत नोरा फतेही ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह एक सच्ची ग्लोबल स्टार हैं। नोरा फतेही एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार टैलेंट मैनेजर और सीईओ अंजुला आचार्य और रैपर किंग जैसे इंडस्ट्री के पावर प्लेयर्स के साथ बिलबोर्ड फीचर की शोभा बढ़ा रही हैं! वार्नर ब्रदर्स के साथ तीनों की अभूतपूर्व साझेदारी ने उन्हें बिलबोर्ड फीचर में एक प्रमुख स्थान दिलाया है, जहाँ उनके संगीत और मनोरंजन के ज़रिए संस्कृतियों को जोड़ने के प्रयासों को सराहा गया है। यह कवर फीचर नोरा की पॉप म्यूजिक की दुनिया में क्रॉसओवर को सुदृढ़ करता है, और अंजुला आचार्य ने इसे संभव बनाने के लिए 5 जंक्शन रिकॉर्ड्स और वार्नर रिकॉर्ड्स के साथ मिलकर इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। स्नेक के साथ बाधाओं को तोड़ने से लेकर एक ग्लोबल पॉप कलाकार के रूप में अपनी जगह बनाने तक, नोरा की यात्रा वही है जिसका इंडस्ट्री को इंतजार था। इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी साझा करते हुए नोरा ने लिखा- एक और मील का पत्थर! बिलबोर्ड कवर पर मेरी पहली उपस्थिति! यह बहुत बड़ी बात है, मेरे वैश्विक म्यूजिक करियर के विज़न की दिशा में एक और कदम! अभी बहुत कुछ होने वाला है, और मैं तब तक इंतज़ार नहीं कर सकती जब तक दुनिया देख न ले कि आगे क्या होने वाला है! अपनी टीम की आभारी हूँ–यह हमारा समय है. जेसन डेरुलो के साथ उनके धमाकेदार कोलाब स्नेक से लेकर रेवनी के साथ उनके हिट अफ्रोपॉप सिंगल पेपेटा और जैक नाइट के साथ प्रशंसकों के पसंदीदा डर्टी लिटिल सीक्रेट तक, नोरा एक जीवंत और बहुमुखी वैश्विक संगीत सूची बनाना जारी रखती हैं। उनके सोलो ड्रॉप आई एम बॉसी ने एक उभरती हुई ग्लोबल पॉप ताकत के रूप में उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया। संगीत के अलावा, नोरा फिल्म और फैशन में भी धूम मचा रही हैं। उन्होंने बी हैप्पी में अपनी मुख्य भूमिका से दर्शकों को प्रभावित किया और अब वे बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट द रॉयल्स में नजर आने वाली हैं। फैशन के मोर्चे पर, उन्होंने लुई वुइटन की म्यूज़ के रूप में पेरिस फैशन वीक में अपनी चमक बिखेरी और ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में सब का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी यात्रा का एक गौरवपूर्ण क्षण वह था जब वह फीफा वर्ल्ड कप के मुख्य कार्यक्रम में परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बनीं थी, जिसे लाखों लोगों ने देखा। नोरा फतेही सिर्फ सीमाएँ पार नहीं कर रही हैं - एक-एक दमदार कदम के साथ, वह वैश्विक पॉप की कहानी में अपना नाम खुद लिख रही हैं।

वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी के घर

जल्द गूंजेगी किलकारी

टॉलीवुड स्टार वरुण तेज और उनकी पत्नी लावण्या त्रिपाठी जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसके बाद कई सेलेब्स लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं। टॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। वह अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की, जिसमें वे हाथ में छोटे बेबी शूज लिए हुए हैं। वरुण तेज ने आज इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वरुण और लावण्या के सिर्फ हाथ दिखाई दे रहे हैं। दोनों के एक-दूजे के हाथ को कस के पकड़ रखा है और साथ ही उन्होंने छोटे बेबी के क्यूट शूज भी दो उंगलियों की मदद से पकड़ रखे हैं। इसके प्यारी तस्वीर के साथ वरुण ने कैप्शन में लिखा, जीवन की अब तक की सबसे खूबसूरत भूमिका- जल्द ही आ रही है। वरुण की इस खास पोस्ट के बाद कई सेलेब्स उन्हें लगातार बधाई दे रहे हैं।

अल्लू से लेकर राम चरण की पत्नी ने दी वरुण और लावण्या को माता-पिता बनने की बधाई

साउथ अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई, आप तीनों को ढेर सारा प्यार!, प्रज्ञा जायसवाल ने लिखा, वाह बधाई हो, अदिति राव हैदरी ने लिखा, बधाई हो, आप दोनों को ढेर सारा प्यार, रकुल प्रीत सिंह ने लिखा, हल्ला बधाई हो, राम चरण की पत्नी उपासना कामिनेनी ने लिखा, सबसे अच्छी खबर, सबसे प्यारे माता-पिता बनने वाले, अल्लू अर्जुन की पत्नी स्नेहा ने लिखा, बधाई हो, सामंथा रुथ प्रभु ने लिखा, बधाई हो।

रजनीकांत को पसंद आई सूर्या की 'रेट्रो', बताया सुपर

1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई अभिनेता सूर्या स्टारर एक्शन फिल्म 'रेट्रो' को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 45 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। इस बीच 'थलाइवा' रजनीकांत ने भी 'रेट्रो' देखी और अभिनेता की

एक्टिंग को 'सुपर' बताया। निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर कर बताया कि सुपरस्टार रजनीकांत को उनकी फिल्म बेहद पसंद आई और उन्होंने इसमें सूर्या के अभिनय को सुपर बताया है। कार्तिक सुब्बाराज ने लिखा, थलाइवा ने रेट्रो देखी और उन्हें यह बहुत पसंद आई। फिल्म में शानदार काम करने के लिए थलाइवा ने टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पूरी टीम ने शानदार प्रयास किया और सूर्या की एक्टिंग सुपर है। फिल्म के आखिरी 40 मिनट आपको बांधे रखते हैं। निर्देशक ने पोस्ट में बताया कि फिल्म को लेकर थलाइवा की तारीफ मिलने पर वह खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं बहुत खुश हूं, लव यू थलाइवा। रजनीकांत से पहले अभिनेता वरुण धवन ने रेट्रो देखी और इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर कर अपने विचार रखे थे। फिल्म की कहानी और कलाकारों की तारीफ करते हुए वरुण ने लिखा, कल रात रेट्रो देखी। रुक्मणी के किरदार में पूजा हेगड़े बहुत पसंद आईं। पूजा, आप फिल्म में बहुत प्यारी लगीं और सूर्या हमेशा की तरह फिर से आपका काम शानदार लगा।

टाइगर श्रॉफ

'जहान-द लास्ट गिफ्ट' में एनवायरनमेंट कहानीकार बने

वेव्स समिट 2025 में इसकी आधिकारिक स्क्रीनिंग के बाद, टाइगर श्रॉफ ने इसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस विचारोत्तेजक शॉर्ट फिल्म का टीज़र जारी किया। बॉलीवुड के सबसे युवा एक्शन सुपरस्टार और पर्यावरण के प्रति समर्पित टाइगर श्रॉफ एक बार फिर सुर्खियों में हैं – लेकिन इस बार एक बेहद भावनात्मक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण विषय को लेकर चर्चा में हैं। टाइगर द्वारा अभिनीत शॉर्ट फिक्शन फिल्म जहान-द लास्ट गिफ्ट को वेव्स समिट 2025 में प्रदर्शित किया गया, जिसने पर्यावरण चेतना और मानवीय जिम्मेदारी के बारे में बातचीत को बढ़ावा दिया। टाइगर श्रॉफ, जो इस शॉर्ट फिल्म में मुख्य भूमिका में भी शामिल हैं, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा-कभी-कभी अंत ही नई शुरुआत होती है। इस शक्तिशाली संदेश वाली शॉर्ट फिल्म का हिस्सा बनकर खुशी हुई, जिसे मेरे भाई राहुल शेट्टी ने निर्देशित किया है। इस समय इसकी ही जरूरत है राहुल शेट्टी द्वारा निर्देशित जहान जलवायु परिवर्तन और मानवीय उदासीनता की कठोर वास्तविकताओं को दर्शाती है, जो मार्मिक कहानी और प्रभावशाली दृश्यों के माध्यम से दर्शकों को जोड़ती है। इस फिल्म का निर्माण आर.डी. एंटरटेनमेंट प्रा. लि. और आरएस स्टूडियोज द्वारा किया गया है। यह एक ऐसी फिल्म है जो दर्शकों से प्रकृति से दोबारा जुड़ने और यह सोचने की अपील करती है कि हम अपने पीछे कैसी विरासत छोड़ रहे हैं। एक ऐसा प्रोजेक्ट जो टाइगर के दिल के बेहद करीब है, जहान टाइगर की प्रकृति प्रेम के प्रति लंबे समय से चली आ रही वकालत और एक युवा आइकन के रूप में उनकी भूमिका को दर्शाता है जो अपने मंच का उपयोग सार्थक कारणों के लिए करता है। अपने अनुशासन और समर्पण के लिए जाने जाने वाले टाइगर इस दिल को छू लेने वाली भूमिका में भी वही गहराई लाते हैं, जो इस बात की पुष्टि करता है कि असली ताकत उन चीज़ों की रक्षा करने में है जो वास्तव में मायने रखती हैं। फिल्म का हिस्सा बनने के बारे में अपने अनुभव को साझा करते हुए, टाइगर श्रॉफ ने कहा, जहान का हिस्सा बनना एक बहुत ही सार्थक अनुभव था।

हाउस अरेस्ट शो:

रेप केस के बाद से गायब हैं एजाज खान, फोन भी स्विच ऑफ

मुंबई के चारकोप पुलिस स्टेशन में दुष्कर्म का मामला दर्ज होने के बाद हाउस अरेस्ट शो के होस्ट और अभिनेता एजाज खान गायब हैं। मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उनका फोन भी बंद है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई की चारकोप पुलिस ने एजाज खान से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह संपर्क में नहीं हैं, एजाज खान का फोन भी स्विच ऑफ है। एजाज खान के घर पुलिस पहुंची थी। लेकिन, वह अपने घर पर नहीं मिले। एजाज खान पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एक अभिनेत्री ने मामला दर्ज करवाया है। वहीं, सोमवार को 'अश्लील' शो 'हाउस अरेस्ट' के प्रसारण को लेकर अभिनेता एजाज खान और उल्लू ऐप के मालिक को समन भेजकर जांच अधिकारी के समक्ष बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। मुंबई की अंबोली पुलिस ने सोमवार को समन भेजा है। एजाज खान पर शो हाउस अरेस्ट में अश्लील कंटेंट प्रसारित करने का आरोप है, जिसके बाद सोशल मीडिया के साथ आम लोगों में भी आक्रोश देखने को मिला। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता की शिकायत पर अंबोली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। इस मामले में पुलिस ने उल्लू ऐप के मैनेजर का बयान दर्ज कर लिया है। इससे पहले 2 मई को एजाज खान को समन जारी हुआ था। उल्लू ऐप ने हाउस अरेस्ट के सारे विवादित एपिसोड अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिए हैं। इस विषय में महाराष्ट्र साइबर सेल के प्रमुख यशस्वी यादव ने जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि निर्देश पर ऐप ने शो को बंद कर दिया है। यदि कोई शिकायत मिलती है तो वह एक्शन लेंगे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी एजाज खान के साथ ही उल्लू ऐप के सीईओ विभु अग्रवाल को समन भेजकर 9 मई को आयोग के सामने पेश होने के लिए कहा है।

अजय देवगन बॉलीवुड का सबसे भरोसेमंद फ्रैंचाइज़ी हीरो

बॉलीवुड के सबसे विश्वसनीय सितारों में से एक, अजय देवगन, आज न केवल एक अभिनेता हैं, बल्कि एक चलती-फिरती फ्रैंचाइज़ी मशीन बन चुके हैं। उनकी हालिया फिल्म 'रेड 2', 1 मई को रिलीज़ होने के कुछ ही दिनों में अपनी लागत निकालकर ?79 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है, और अब यह ?100 करोड़ क्लब की ओर तेज़ी से बढ़ रही है। लेकिन यह फिल्म केवल शुरुआत है–आने वाले दो वर्षों में अजय कई हिट फिल्मों की अगली कड़ियों में नजर आएंगे, जिनमें 'दे दे प्यार दे 2', 'गोलमाल 5', 'धमाल 4', 'शैतान 2', 'दृश्यम 3' और 'सन ऑफ सरदार 2' शामिल हैं। अजय देवगन बॉलीवुड के सबसे सफल और बहुआयामी अभिनेता हैं, जिन्होंने विभिन्न शैलियों में अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया है। उनकी फिल्मों की फ्रैंचाइज़ी ने उन्हें एक ऐसा स्थान दिलाया है जहाँ वह एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक सिनेमाई ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में स्थापित हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि अजय अलग-अलग शैली की फ्रैंचाइज़ीज़ का नेतृत्व कर रहे हैं–चाहे वह 'सिंघम' जैसा एक्शन हो, 'दृश्यम' जैसी इमोशनल थ्रिलर, या 'गोलमाल' जैसी फुल ऑन कॉमेडी। उनकी हर फ्रैंचाइज़ी एक अलग दुनिया पेश करती है, और दर्शक खुशी-खुशी हर ब्रह्मांड का हिस्सा बन जाते हैं। यही उनकी ताकत है– वो हर जॉनर में विश्वसनीयता लेकर आते हैं। जहाँ एक ओर 'सिंघम' ने एक पुलिस यूनिवर्स की नींव रखी जिसमें रणवीर सिंह और अक्षय कुमार जैसे सितारे भी जुड़े, वहीं 'दृश्यम' ने परिवार और बलिदान की गहराई दिखाई। इसके उलट 'गोलमाल' और 'धमाल' दर्शकों को हंसी के समुंदर में डुबो देते हैं।

'तन्वी द ग्रेट' में नजर आएंगे बोमन ईरानी

अनुपम खेर बोले- 'राजासाब' आपका आभार

फिल्म निर्देशक-अभिनेता अनुपम खेर की अपकमिंग फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अभिनेता आए दिन फिल्म के कलाकारों, कहानी समेत अन्य जानकारी से प्रशंसकों को रूबरू करा रहे हैं। उन्होंने पोस्ट शेयर कर फिल्म के नए किरदार 'राजा

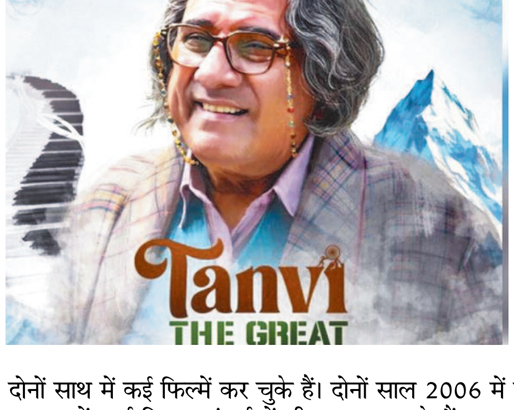

साब' से मिलवाया, जो अभिनेता बोमन ईरानी का है। खेर का मानना है कि उन्होंने अपने अभिनय से फिल्म को और भी बेहतरीन बना दिया। इंस्टाग्राम पर बोमन ईरानी के किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, ''तन्वी द ग्रेट' के अभिनेता बोमन ईरानी न केवल बेहतरीन कलाकार, बल्कि बेहतरीन इंसान भी हैं। सेट पर उनके जैसा दोस्त होना जीवन में संपत्ति की तरह है। खेर ने बताया कि जब उन्होंने बोमन को फिल्म की कहानी के बारे में बताया तो उन्होंने झट से हां कह दिया और उनकी प्रतिक्रिया भी शानदार थी। खेर ने बताया, जब मैंने उन्हें 'तन्वी द ग्रेट' का आइडिया सुनाया तो उन्होंने तुरंत कहा कि वह हमारी फिल्म का हिस्सा बनेंगे। फिल्म में उनकी मौजूदगी और अभिनय लाजवाब है! हर शॉट के बाद उनकी सराहना मेरे लिए मायने रखती है! तन्वी द ग्रेट के निर्देशक अनुपम खेर ने अपकमिंग फिल्म में बोमन के किरदार और नाम से भी पर्दा उठाया। उन्होंने खुलासा किया, 'राजा साब' को इतने प्यार, संवेदनशीलता और गहराई से गढ़ने के लिए बोमन का शुक्रिया। आपने किरदार में जो गहराई लाई है, वह तन्वी को बेहतरीन बनाती है। बता दें, बोमन ईरानी और अनुपम खेर के बीच दोस्ती का रिश्ता है और दोनों साथ में कई फिल्में कर चुके हैं। दोनों साल 2006 में रिलीज हुई दिबाकर बनर्जी की फिल्म खोसला का घोसला के साथ ही साल 2022 में आई फिल्म ऊंचाई में भी काम कर चुके हैं। सूरज बड़जात्या की फिल्म में अनुपम और बोमन के साथ अमिताभ बच्चन, नीना गुप्ता, सारिका, नफीसा अली, डैनी डेन्जोंगपा, परिणीति चोपड़ा समेत अन्य सितारे हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित। संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।